राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, शुक्रवार, 10 अक्टूबर 2025
वर्ष 14, अंक 178, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय पर अनिश्चितकालीन धरना शुरू!..03

अंदर घुसे हूतियों के ड्रोन, 1 घंटे में चार बार इजरायल को दहलाया, मची चीख-पुकार..04

क्या न्यायिक अधिकारी सीधी भर्ती से बन सकते हैं जिला जज? - सुप्रीम कोर्ट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

क्या बार में पहले ही 7 साल पूरे करने वाले न्यायिक अधिकारी जिला जज बन सकते हैं. सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को इस सवाल का जवाब दे दिया है. कोर्ट ने कहा है कि बार में पहले ही 7 साल पूरे करने वाले न्यायिक अधिकारी जिला जज बन सकते हैं. सर्वोच्च अदालत ने कहा कि वे न्यायिक अधिकारी बार कोटे के तहत जिला जज बनने के पात्र हैं. अतिरिक्त जिला जज के लिए पात्रता पर कोर्ट ने कहा कि संविधान की व्याख्या सहज होनी चाहिए. सुप्रीम कोर्ट ने ये फैसला जिला जजों की सीधी भर्ती के लिए न्यायिक अधिकारियों की पात्रता पर दिया है. CJI बीआर गवई की अध्यक्षता वाली 5 जजों की संविधान पीठ ने ये फैसला सुनाया. 25 सितंबर को संविधान पीठ ने फैसला सुरक्षित रखा था. पीठ में 3 दिनों तक सुनवाई चली थी. बार कोटे के तहत जिला जजों के पद के लिए न्यायिक अधिकारियों की पात्रता से जुड़ा मामला है. CJI ने कहा कि हमने सभी निर्णयों पर विचार किया है और पाया है कि रामेश्वर दयाल और चंद्र मोहन के निर्णयों पर अन्य मामलों में उचित विचार नहीं किया गया है. अनुच्छेद 233 को संपूर्ण रूप से पढ़ा जाना चाहिए. इसे आंशिक रूप से नहीं पढ़ा जा सकता. उन्होंने कहा कि व्याख्या पांडित्यपूर्ण नहीं हो सकती. यह स्वाभाविक होनी चाहिए. कोई भी व्याख्या जो प्रतिस्पर्धा को प्रतिबंधित करती है, स्वीकार नहीं की जाएगी. राज्य सरकार को सेवारत उम्मीदवारों के लिए पात्रता सुनिश्चित करने वाले नियम बनाने होंगे. नियमों में यह प्रावधान होना चाहिए कि सेवारत उम्मीदवार तभी पात्र होगा जब उसके पास न्यायिक अधिकारी और अधिवक्ता के रूप में कुल मिलाकर 7 वर्ष का अनुभव हो. पीठ ने कहा कि हमने इस तर्क को खारिज कर दिया है कि धारा 233(2) सीधी भर्ती के लिए 25% कोटा प्रदान करती है. स्टारे डेसिसिस का सिद्धांत गलत कानून की अनुमति नहीं दे सकता. हमने माना है कि न्यायिक सेवा के सदस्यों के साथ अन्याय हुआ है. कोर्ट ने कहा कि हमने स्पष्ट किया है कि यह निर्णय केवल निर्णय की तिथि से ही लागू होगा. सिवाय उन मामलों के जहां हाई कोर्ट द्वारा कोई अंतरिम आदेश पारित किया गया हो. अदालत ने कहा कि न्यायाधीश के रूप में नियुक्ति होने पर अधिवक्ता का केवल प्रैक्टिस करने का अधिकार निलंबित हो जाता है और उसका नाम रोल में बना रहता है. जिन न्यायिक अधिकारियों ने भर्ती से पहले ही बार में 7 वर्ष पूरे कर लिए हैं, वे सीधी भर्ती में जिला न्यायाधीश के रूप में नियुक्ति के पात्र होंगे. आवेदन के समय पात्रता देखी जानी है. हालांकि धारा 233 में कोई पात्रता निर्धारित नहीं है, फिर भी समान अवसर प्रदान करने के लिए हमने कहा है कि उम्मीदवार के पास अधिवक्ता और न्यायिक अधिकारी के रूप में संयुक्त रूप से 7 वर्ष का अनुभव होना चाहिए. आवेदन की तिथि को न्यूनतम आयु 35 वर्ष होगी. कोर्ट ने आगे कहा कि सभी नियम जो निर्णय के अनुरूप नहीं हैं, रद्द माने जाएंगे. नए नियम बनाए जाएंगे।

अपने आदेश में सीजीआई ने क्या-क्या कहा?

CJI ने कहा कि राज्य सरकारों को उच्च न्यायालयों के परामर्श से जिला न्यायाधीश के पद पर आवेदन करने वाले न्यायिक अधिकारियों के लिए नियम बनाने होंगे।

CJI ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति 5 साल तक वकालत करता है और 10 साल का ब्रेक लेता है और फिर 2 साल तक वकालत करता है, तो वह पूरी तरह से वकालत से अलग हो जाएगा

CJI ने कहा कि न्यायिक अधिकारियों को सीधी भर्ती के माध्यम से जिला जज के रूप में नियुक्त करने से वंचित करके उनके साथ अन्याय किया गया है।

CJI ने कहा कि फैसला केवल फैसले की तिथि से लागू होगा और फैसले से पहले किए गए आवेदनों या चयनों को प्रभावित नहीं करेगा

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सेवा में आने से पहले 7 साल की कानूनी सेवा पूरी कर चुके न्यायिक अधिकारी जिला जज के रूप में नियुक्त होने के हकदार होंगे. नियुक्ति के लिए पात्रता पर चयन के समय विचार किया जाएगा।

CJI ने आगे कहा कि समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए आवेदन की तिथि पर जिला जज और अतिरिक्त जज के रूप में आवेदन करने के लिए न्यूनतम आयु 35 वर्ष होगी।

CJI ने कहा कि सभी राज्य सरकारें ॥ष्ट के परामर्श से 3 महीने की अवधि के भीतर हमारे द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार संशोधन करेंगी

CJI के बाद जस्टिस सुंदरेश ने क्या फैसला सुनाया।

जस्टिस सुंदरेश का मानना ??है कि अनुच्छेद 233 के तहत दोनों योग्यताएं न्यायिक सेवा के लिए केवल प्रवेश द्वार हैं।

जस्टिस सुंदरेश ने कहा कि संविधान की व्याख्या करते समय संविधान के मूल ढांचे को ध्यान में रखना चाहिए।

जस्टिस सुंदरेश ने कहा कि अनुच्छेद 233(2) की व्याख्या केवल वकीलों या व्यवसायियों के लिए करना अनुच्छेद 14 का उल्लंघन होगा।

जस्टिस सुंदरेश ने कहा कि न्यायपालिका का आधार उत्कृष्ट गुणवत्ता वाला हो

यह सुनिश्चित करने के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं की आवश्यकता होगी।

जस्टिस सुंदरेश ने कहा कि जनता की सेवा के लिए नियुक्त किसी पद से व्यक्तियों के एक समूह को बाहर करना निश्चित रूप से असंवैधानिक होगा।

कॉलेज में मिनी स्टेडियम निर्माण की घोषणा, सी.एम. योगी ने कहा- खेलों से आत्मनिर्भर और सशक्त होगा नया यूपी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

झांसी- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को कहा कि स्वस्थ शरीर ही धर्म और राष्ट्र निर्माण का आधार है और खेलों से नया उत्तर प्रदेश आत्मनिर्भर और सशक्त बनेगा। विद्या भारती पूर्वी उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित 36वें क्षेत्रीय खेलकूद समारोह में योगी ने खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए भानी देवी गोयल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में मिनी स्टेडियम निर्माण की घोषणा की। उन्होने कहा कि खेल अब केवल शौक नहीं, बल्कि जीवन को संवारने का सशक्त माध्यम बन चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा 'झांसी की रानी लक्ष्मीबाई के शौर्य और पराक्रम की धरती पर विद्या भारती के 36वें क्षेत्रीय खेलकूद समारोह में शामिल होना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। विद्या भारती देश में भारतीय परंपरा, संस्कृति और राष्ट्रीयता के प्रति श्रद्धा जगाने वाली अग्रणी संस्था है। 1952 में गोरखपुर में नानाजी देशमुख द्वारा स्थापित इस संस्था ने आज देशभर में 25 हजार से अधिक शिक्षण-प्रशिक्षण केंद्रों के माध्यम से भारतीय मूल्यों को बढ़ावा दिया है। 'उन्होंने विद्या भारती के प्रथम छात्र देवेंद्र सिंह को सम्मानित करते हुए कहा कि यह संस्था बिना सरकारी सहयोग के राष्ट्रीय आदर्शों को जीवंत रखने में सफल रही है। उन्होंने कहा कि झांसी की यह धरती राष्ट्रीयता और शौर्य की प्रेरणा देती है। विद्या भारती के प्रयास देश को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। समारोह में सांस्कृतिक रंग भी देखने को मिला। बुंदेली राई नृत्य की प्रस्तुति ने दर्शकों का मन मोह लिया। खेलों में उत्कृष्ट उपलब्धि हासिल करने वाले शीलू यादव, आदेश सिंह, शहंशाह, बसंत कुमार गोला और संध्या राजपूत को मुख्यमंत्री ने सम्मानित किया। कार्यक्रम में अनुशासन ट्रॉफी गोरक्ष प्रांत ग्रामीण की टीम को प्रदान की गई, जबकि ओवर ऑल चैंपियनशिप ट्रॉफी काशी प्रांत नगरीय की टीम ने अपने नाम की। योगी ने विद्या भारती की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि आज यह संस्था भारत की परंपरा और संस्कृति को मजबूत करने वाली अग्रणी शक्ति बन चुकी है। 1952 में गोरखपुर की धरती पर राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख द्वारा बोए गए बीज से आज देशभर में 25,000 से अधिक शिक्षण-प्रशिक्षण संस्थान संचालित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद देश में सेक्युलर दिखाने की होड़ ने भारतीय मूल्यों को हाशिए पर धकेला, लेकिन विद्या भारती ने बिना सरकारी सहयोग के गाँव से शहर और वनवासी क्षेत्रों तक शिक्षा का राष्ट्रीय मॉडल खड़ा किया। उन्होने कहा 'आज इस वीरभूमि में पहुंचकर गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। रानी लक्ष्मीबाई ने 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में'मेरी झांसी गुलाम नहीं होगी'का संदेश दिया और 23 वर्ष की आयु में बलिदान दे दिया। मेजर ध्यानचंद ने हॉकी में भारत को दो बार ओलंपिक स्वर्ण पदक दिलाया। आज उनके नाम पर भारत सरकार ने खेल रत्न पुरस्कार और प्रदेश सरकार ने मेरठ में स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी स्थापित की है। ' मुख्यमंत्री ने बताया कि विद्या भारती के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन किया है।

कानपुर ब्लास्ट मामले में बड़ा खुलासा- स्कूटी नहीं, अवैध पटाखों की दुकान थी धमाके की वजह - CCTV ने खोली पोल!

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले में बुधवार शाम 7:20 बजे एक भयानक धमाका हुआ, जिसने इलाके में दहशत मचा दी। शुरू में माना जा रहा था कि धमाका दो स्कूटी पर हुआ है, लेकिन अब CCTV फुटेज से पूरी सच्चाई सामने आ गई है। धमाका एक खिलौने की दुकान के अंदर रखे अवैध पटाखों के स्टॉक में हुआ था, जबकि दुकान के बाहर खड़ी स्कूटी और आसपास की चीजें क्षतिग्रस्त हुई

पुलिस कमिश्नर ने बताए हालात

पुलिस कमिश्नर रघुवीर लाल ने कहा कि धमाका इतना जोरदार था कि आसपास की गली और बाजार में लोग घायल हो गए। धमाके की तेज आवाज पूरे इलाके में सुनाई दी। आठ लोग घायल हुए, जिनमें से 4 की हालत गंभीर है। घायलों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया। धमाके के बाद इलाके में भगदड़ मच गई, लोग डर के मारे इधर-उधर भागे।

चश्मदीद की दर्द भरी कहानी

जान्हवी सोनकर, जो 20 साल की हैं और अपनी बहन नेहा के साथ दुकान के पास थीं, विस्फोट में गंभीर रूप से घायल हुईं। उनके हाथ, पैर और कान के नीचे जलने के निशान हैं। जान्हवी ने बताया कि अचानक चारों तरफ अंधेरा छा गया और इतनी दहशत हुई कि वे अपने खरीदे हुए कपड़े वहीं छोड़कर भाग गईं। उनकी बहन नेहा भी घायल हुई, जिन्हें तुरंत उनके पति अपने साथ ले गए। जान्हवी की मां अंजू सोनकर ने प्रशासन से आग्रह किया है कि धमाके की असली वजह और जिम्मेदारों का पता लगाया जाए, क्योंकि यह घटना किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती थी।

CCTV फुटेज ने खोली सच्चाई

जांच में पता चला है कि धमाका स्कूटी में नहीं, बल्कि दुकान के अंदर रखे लगभग 1 क्विंटल अवैध पटाखों के स्टॉक में हुआ। दुकान के बाहर खड़ी स्कूटी और आसपास की चीजें इससे प्रभावित हुईं। पुलिस ने अब तक 12 लोगों को हिरासत में लिया है और मुख्य आरोपी तारिक की तलाश जारी है। साथ ही चोरी की स्कूटी और संदिग्ध वस्तुओं के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। इस मामले में 5 पुलिसकर्मी सस्पेंड कर दिए गए हैं और C O को हटाया गया है।

गोपनीय कार्रवाई और तलाशी अभियान

धमाके के बाद पुलिस ने पूरे इलाके में तलाशी अभियान तेज कर दिया। दो गोदाम सील कर दिए गए हैं और 18 दुकानों की जांच की जा रही है। अधिकारी पता लगाने में जुटे हैं कि अवैध पटाखों का स्टॉक किनके पास था और किसके संरक्षण में था। आसपास के लोग बताते हैं कि धमाका इतना जोरदार था कि सब ठिठक गए। जान्हवी ने बताया कि धमाके के बाद भगदड़ मची और लोग डर के मारे अपने सामान को छोड़कर भागे।

अवैध पटाखों का गंभीर मामला

पुलिस कमिश्नर ने साफ कहा कि यह हादसा पूरी तरह अवैध पटाखों के कारण हुआ है। जांच में कई दुकानों में अवैध पटाखों का भंडारण चल रहा था। भविष्य में ऐसे हादसों से बचने के लिए सुरक्षा नियमों को और सख्ती से लागू किया जाएगा।

जिला प्रशासन और पुलिस की तुरंत कार्रवाई

धमाके के तुरंत बाद जिला प्रशासन और पुलिस ने आपात स्थिति में प्रतिक्रिया दी। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया और इलाके को सुरक्षित किया गया। अब तक दो गोदामों को सील किया गया है और अवैध पटाखे जब्त किए गए हैं। पुलिस ने बताया कि स्कूटी और दुकान को नुकसान पहुंचा, लेकिन किसी की जान बचना बड़ा चमत्कार है। इस घटना ने कानपुरवासियों को अवैध पटाखों के खतरों के प्रति सचेत कर दिया है।

संक्षिप्त ख़बरें

एक छोटा सा काम और MP में लागू हो जाएगा 27% OBC आरक्षण, नेता प्रतिपक्ष ने सरकार को दिखाया रास्ता

भोपाल- मध्य प्रदेश में आदिवासियों को लेकर फिल्म बनाने पर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह और उमंग सिंगार के बीच वार्तालाप का दूसरा दौर जारी है। उमंग सिंगर के बंगले पर टंट्या मामा भील पर फिल्म बनाने को लेकर चर्चा हुई। इसके बाद नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार ने कहा कि वह बहुत जल्द मुख्यमंत्री से चर्चा करेंगे। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार ने ओबीसी आरक्षण को लेकर सरकार पर निशाना साधा। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि मध्य प्रदेश में जब कमलनाथ की सरकार ने 2019 में ओबीसी आरक्षण को लेकर 27% आरक्षण दिया था। उसके बाद से बीजेपी इस आरक्षण को समाप्त करने की फिराक में थी। बीजेपी सरकार ने आते ही अदालत में जाकर इस पर रोक लगवा दी। किंतु परंतु कर रहे हैं जबकि सुप्रीम कोर्ट में एक हल्पनामा देकर पूरे केस पर विद ड्रा किया जा सकता है और मध्य प्रदेश में ओबीसी को 27% आरक्षण मिल जाएगा। लेकिन सरकार सिर्फ दिखावा कर रही है। वही नेता प्रतिक्रमण सिंगर ने कफ सिरफ मामले में सरकार की लापरवाही बताया है। उमंग सिंगार का कहना है कि पहले ही दिन से सरकार की लापरवाही उजागर हो रही है। कफ सिरप मामले में बच्चों की मौत पर सरकार जवाब देह है।

भारत-ब्रिटेन संबंधों में नयी ऊर्जा आ गई है- प्रधानमंत्री मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत और ब्रिटेन स्वाभाविक साझेदार हैं और दोनों देशों के बीच साझेदारी वैश्विक स्थिरता एवं आर्थिक प्रगति का एक महत्वपूर्ण आधार बन रही है। भारत दौरे पर आए ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर के साथ व्यापक वार्ता के बाद मोदी ने कहा कि भारत-ब्रिटेन संबंधों का आधार लोकतंत्र, स्वतंत्रता और कानून के शासन जैसे मूल्यों में साझा विश्वास है। वार्ता के बाद संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में स्टार्मर ने कहा कि भारत-ब्रिटेन का संबंध खास है। उन्होंने भारत की विकास गाथा को उल्लेखनीय बताते हुए कहा, "हम भविष्य पर केंद्रित एक नयी आधुनिक साझेदारी गढ़ रहे हैं।" प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी कहा कि भारत और ब्रिटेन सैन्य प्रशिक्षण में सहयोग पर एक समझौते पर पहुंच गए हैं। उन्होंने कहा, "हम हिंद-प्रशांत क्षेत्र में ब्रिटेन के साथ समुद्री सुरक्षा सहयोग बढ़ाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।" यूक्रेन संघर्ष और गाजा मुद्दे पर उन्होंने कहा कि भारत बातचीत और कूटनीति के माध्यम से शांति बहाल करने के सभी प्रयासों का समर्थन करता है। दोनों नेताओं ने व्यापार, रक्षा, सुरक्षा और प्रौद्योगिकी के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भारत-ब्रिटेन संबंधों को बढ़ावा देने पर व्यापक रूप से ध्यान केंद्रित करते हुए बातचीत की।

कांशीराम को सांसद किसने बनाया, सांठगांठ किससे है? मायावती के हमले पर अखिलेश यादव का जवाबी हमला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ- बहुजन समाज पार्टी (BSP) की महारैली के बाद समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मायावती के आरोपों पर अपनी राय दी. मायावती ने कांशीराम स्मारक स्थल की देखरेख और रख रखाव को लेकर तत्कालीन सपा सरकार पर निशाना साधा तो अखिलेश यादव ने कहा कि अब आप समझ लीजिए कि सांठगांठ किससे है? उन्होंने कहा कि हमारी सरकार में कांशीराम स्मारक स्थल पर कई तरह के पेड़ लगाए गए. हमने एलडीए को बाकायदा इसके रखरखाव के आदेश दिए, लेकिन आज स्मारक के पत्थर काले पड़ गए हैं. यही नहीं, अखिलेश यादव ने कहा कि हमारे मोहनलालगंज के सांसद आरके चौधरी ने बताया कि कैसे कांशीराम को नेताजी यानी मुलायम सिंह यादव और हम लोगों ने मिलकर उन्हें सांसद बनाया था. उन्होंने पूरे यूपी में एक ही फेज में चुनाव कराए जाने की मांग भी रखी।

अखिलेश ने इशारों-इशारों में बीएसपी सुप्रीमो पर हमला करते हुए सपा और पीडीए की नीतियों को जनता के सामने रखने का प्रयास किया. अखिलेश यादव ने कहा कि 'मायावती बार-बार सपा और हमारे नेताओं पर आरोप लगा रही हैं. हमें अपने राजनीतिक मिशन, यानी सामाजिक न्याय और दलित-पिछड़े वर्गों का उत्थान के रास्ते पर चलते रहना है. पीडीए को मजबूत करने के लिए हम हर स्तर पर काम करेंगे.'

अंदरूनी सांठगांठ अभी जारी है..

सपा प्रमुख ने कहा कि 'कांशीराम को सांसद बनाने के लिए नेताजी मुलायम सिंह यादव और कई साथी साथ थे. उस समय कम्युनल राजनीति का मुकाबला किया गया'. उन्होंने आगे कहा कि 'बसपा की अंदरूनी सांठगांठ आज भी जारी है, लेकिन हमारी लड़ाई हमेशा समाज के कमजोर वर्गों के अधिकारों के लिए रही है।'

कांशीराम स्मारक स्थल पर आज पत्थर काले पड़ गए हैं

उन्होंने कहा कि 'कांशीराम की प्रतिमा बीएसपी के अलावा मैंने ही लगवाई. पार्कों और स्मारकों का रखरखाव भी मैंने सुनिश्चित किया. एक बार एयरपोर्ट से जाते समय देखा और पाया कि वहां लगे खजूर के पेड़ सूख गए थे, तो मैंने नए पेड़ लगवाए. आज भाजपा ने इनकी देखभाल नहीं की. यहां तक की स्मारक के पत्थर काले तक पड़ गए हैं.' अखिलेश ने कहा कि 'भाजपा झूठे मामलों का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाना चाहती है और झूठ बोलने में नंबर वन है. एनसीआरबी के डेटा के अनुसार, यूपी में सबसे ज्यादा दलित उत्पीड़न का शिकार हो रहे हैं, महिलाओं की सुरक्षा भी खतरे में है. थानों में भेदभाव और नियुक्तियों में असमानता जारी है. भाजपा की नीतियां केवल सत्ता और संपत्ति के लिए हैं.'

बरेली हिंसा प्रशासन की नाकामी

उन्होंने बरेली में हुई हिंसा का जिक्र करते हुए कहा कि 'बरेली हिंसा प्रशासन की नाकामी थी. जानबूझकर ऐसा कराया गया ताकि भाजपा को राजनीतिक लाभ मिले. कटेहरी विधानसभा जीताने के लिए डीएम को बरेली जैसे बड़े जिले में तैनात किया गया. एक लेखपाल ने 100 करोड़ रुपये कमाए, सोचिए बाकी अधिकारी कितने कमाए होंगे. बरेली में बुलडोजर गरीब, मुसलमान और सपा नेताओं पर चला, सत्ता पक्ष के अन्य लोगों पर नहीं।'

आजम खान के साथ मुलाकात पर क्या बोले?

अखिलेश ने आजम खान के साथ अपनी हालिया मुलाकात पर कहा, 'कांशीराम स्मारक स्थल हमारी उनसे अच्छी मुलाकात हुई और आगे भी ऐसी ही रहेगी. हमारी कोशिश रहेगी कि सहयोग बढ़े और समाज के कमजोर वर्गों की आवाज बुलंद रहे.' उन्होंने उल्लेख किया कि 'जब सीजेआई ने बुलडोजर के खिलाफ आवाज उठाई, तो उन पर जूता फेंका गया. सुनने में आया है कि आरोपी वकील संघ का सदस्य था. यह लोकतंत्र और न्याय व्यवस्था पर बड़ा हमला है।'

लाइफटाइम सुरक्षा, तुरंत FIR... IAS पूरन कुमार के परिवार ने CM सैनी से क्या मांग की?

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने गुरुवार को चंडीगढ़ में सुसाइड करने वाले सीनियर आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार के परिवार से मुलाकात की है. इस दौरान परिवार ने सीएम के सामने लिखित मांग रखी. परिवार ने सुसाइड नोट में जिन अन्य आईपीएस अधिकारियों और हरियाणा सरकार के आईएएस अधिकारियों का जिक्र किया गया है उनके खिलाफ तुरंत ही एफआईआर दर्ज करने और उन्हें सस्पेंड करने की मांग उठाई है. परिवार ने हरियाणा सरकार से लाइफटाइम सुरक्षा देने की मांग की है।

परिवार ने क्या-क्या मांग की?

परिवार ने लिखित मांग पत्र में लिखा है कि ये मामला हरियाणा सरकार के रसूखदार आईएएस और आईपीएस अधिकारियों से जुड़ा है, ऐसे में उन्हें अपनी जान का खतरा है और उन्हें हरियाणा सरकार की और से लाइफटाइम सुरक्षा मुहैया कराई जाए. परिवार ने मांग पत्र में लिखा है कि वाई पूरन कुमार ना सिर्फ हरियाणा पुलिस के एक एक्स्ट्रा ऑर्डिनरी ऑफिसर थे बल्कि शेड्यूल कास्ट समाज को भी एक मजबूत स्तंभ के तौर पर हरियाणा सरकार में रिप्रेजेंट करते थे. ऐसे में इस मामले की गंभीरता को देखते हुए जल्द से जल्द सख्त कार्यवाही की जाए. परिवार ने कहा है कि आठ पन्नों का सुसाइड नोट होने और चंडीगढ़ पुलिस को लिखित पूरे मामले की शिकायत दिए जाने के बावजूद अब तक इस मामले में एफआईआर ना होना भी दुर्भाग्यपूर्ण है और हरियाणा सरकार को इस मामले को गंभीरता से देखना चाहिए. परिवार ने इस मामले में प्रिवेंशन ऑफ एट्रोसिटी अगेंस्ट शेड्यूल कास्ट एंड शेड्यूल ट्राइब एक्ट के तहत भी जल्द से जल्द मामला दर्ज करने और उचित कानूनी कार्यवाही करने की मांग भी की है. परिवार ने इस मामले में चंडीगढ़ पुलिस पर मामले में संयुक्त अफसरशाही का दबाव होने का आरोप भी लगाया है।

पत्नी ने क्या लिखा?

वाई पूरन कुमार की आईएएस पत्नी अवनीत पी कुमार ने मांग पत्र में लिखा है कि उन्हें शक है कि ये मजबूत आईएएस और आईपीएस अफसरों की लॉबी उनके परिवार को बदनाम कर सकती है और उन्हें भी किसी विभागीय मामले में फंसाने का प्रयास कर सकती है. ऐसे में हरियाणा सरकार को इस मामले में संलिप्त अफसरों के खिलाफ जल्द से जल्द कार्यवाही करनी चाहिए।

बंगाल के पूर्वी मिदनापुर में चुनाव आयोग की टीम का विरोध, SIR पर सनातनी ब्राह्मण समाज बोला- हम नहीं स्वीकार करेंगे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चुनाव आयोग की टीम को पश्चिम बंगाल के पूर्वी मिदनापुर में विरोध का सामना करना पड़ा है. केंद्रीय चुनाव आयोग की टीम पूर्वी मिदनापुर के कोलाघाट दौरे पर गई थी. इस दौरान SIR पर सनातनी ब्राह्मण समाज ने चुनाव आयोग का विरोध किया. सनातनी ब्राह्मण समाज ने कहा कि हम आज चुनाव आयोग द्वारा की जा रही एसआईआर को स्वीकार नहीं कर सकते, क्योंकि कई लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए जा रहे हैं. समाज ने कहा कि जो वास्तविक भारतीय नागरिक हैं, मतदाता के रूप में सूचीबद्ध नहीं हो पा रहे हैं. हम वहां भारतीय नागरिक के रूप में उस चीज को स्वीकार नहीं करेंगे. हम एसआईआर को स्वीकार नहीं कर रहे हैं।

सनातनी ब्राह्मण समाज ने और क्या कहा?

सनातनी ब्राह्मण समाज ने आगे कहा कि कल बीजेपी नेता शुवेंदु अधिकारी ने मांग की थी कि मतदाता सूची से केवल चार प्रकार के नाम हटाए जाएं. उन्होंने उल्लेख किया कि मृत मतदाताओं, दोहरी या तिहरी प्रविष्टियों, फर्जी मतदाताओं और अवैध घुसपैठियों, विशेष रूप से रोहिंग्या और बांग्लादेशी मुस्लिम घुसपैठियों के नाम हटा दिए जाएंगे. उनका दृढ़ विश्वास है कि इस प्रक्रिया के परिणामस्वरूप, किसी भी भारतीय नागरिक को, चाहे वह किसी भी धर्म या समुदाय का हो, हटाया नहीं जाएगा. आज चुनाव आयोग एसआईआर के संबंध में कोलाघाट के तीन जिलों के अधिकारियों के साथ बैठक कर रहा है।

इससे पहले चुनाव आयोग ने बुधवार को पश्चिम बंगाल के अधिकारियों को SIR की तैयारियों के तहत मतदाता सूची मानचित्रण प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश दिया और इस प्रक्रिया को पूरा करने के लिए सात दिनों की समय सीमा तय की. अधिकारी ने कहा कि लगभग 40 प्रतिशत कार्य अधूरा है और कई जिलों में प्रगति धीमी बताई जा रही है. उन्होंने बताया कि मानचित्रण प्रक्रिया में 2025 की सूची में सटीकता सुनिश्चित करने के लिए 2002 की मतदाता सूची के आधार पर मौजूदा मतदाताओं का सत्यापन करना शामिल है।

कोलकाता स्थित मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय में हुई एक समीक्षा बैठक में वरिष्ठ उप चुनाव आयुक्त ज्ञानेश भारती ने जिलाधिकारियों, निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ) और सहायक ईआरओ को स्पष्ट निर्देश जारी किए, जिनमें उत्तर बंगाल के आपदा प्रभावित जिलों के अधिकारी शामिल नहीं थे. उन्होंने कहा कि एसआईआर केवल बंगाल में ही नहीं, बल्कि पूरे देश में किया जा रहा है. अन्य राज्यों ने यह कार्य पूरा कर लिया है या पूरा होने के करीब हैं. अगर पश्चिम बंगाल पिछड़ता है, तो इससे राष्ट्रीय स्तर पर समस्याएं पैदा होंगी. इसलिए, हम सात दिनों से ज़्यादा का समय नहीं दे सकते।

विश्व डाक दिवस-पत्र, पार्सल और पीढ़ियों के रिश्तों का उत्सव

डाक-केवल सेवा नहीं, विश्वास और आशा का प्रतीक

कागज, स्याही और संवेदनाएं-डाक की अनकही कहानी

जब दुनिया की रफ्तार डिजिटल संदेशों, त्वरित सूचनाओं और स्क्रीन की चमक में उलझी हुई है, तब एक दिन ऐसा आता है जो हमें रुकने, ठहरने और उन पलों को याद करने का अवसर देता है, जब एक कागज का टुकड़ा, स्याही की कुछ बूंदें और किसी प्रियजन की लिखावट दिलों को जोड़ने का सबसे मजबूत जरिया बनती थी। 9 अक्टूबर, विश्व डाक दिवस, केवल डाक सेवाओं का उत्सव नहीं है; यह उन अनकही कहानियों, भावनाओं और मानवता के उस अटूट बंधन का सम्मान है, जो समय और दूरी की सीमाओं को लांघकर हमें एक-दूसरे के करीब लाता है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि संचार केवल शब्दों का आदान-प्रदान नहीं, बल्कि दिलों का मिलन, आशा का संदेश और विश्वास का प्रतीक है। एक पत्र, जो किसी अनजान डाकिए के कंधों पर सवार होकर सुदूर गांवों, पहाड़ों या समुद्रों को पार करता है, वह केवल कागज नहीं, बल्कि एक कहानी, एक सपना और एक रिश्ता लेकर चलता है। विश्व डाक दिवस की शुरुआत 9 अक्टूबर 1874 को हुई, जब स्विट्जरलैंड के बर्न में यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन (यू.पी.यू.) की स्थापना हुई। इस संगठन ने विश्व भर की डाक प्रणालियों को एक सूत्र में बांधकर संचार को सरल और सुलभ बनाया। उस समय यह कोई सामान्य उपलब्धि नहीं थी। यह वैश्विक सहयोग का एक ऐसा प्रतीक था, जिसने देशों की भौगोलिक और सांस्कृतिक दूरी को पाटकर एक वैश्विक डाक नेटवर्क की नींव रखी। आज यू.पी.यू. के 192 सदस्य देश इस नेटवर्क का हिस्सा हैं, जो हर साल अरबों पत्रों और पार्सलों को उनके गंतव्य तक पहुंचाता है। लेकिन इसकी कहानी केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं है। यह उन असंख्य लोगों की कहानी है, जिनके लिए डाकघर केवल एक इमारत नहीं, बल्कि आशा, अवसर और संवेदनाओं का केंद्र रहा है। डाक सेवाओं का इतिहास मानव सभ्यता के विकास का एक अनोखा दस्तावेज है। भारत में डाक व्यवस्था की जड़ें प्राचीन काल तक जाती हैं, जब राजा-महाराजा अपने संदेशवाहकों के जरिए पत्र भेजते थे। लेकिन आधुनिक डाक प्रणाली की शुरुआत 1854 में ब्रिटिश शासन के दौरान हुई, जब भारत में पहली डाक टिकट जारी की गई। आज भारतीय डाक सेवा दुनिया की सबसे बड़ी डाक प्रणालियों में से एक है, जिसमें 1.55 लाख डाकघर हैं, जिनमें से 89% ग्रामीण क्षेत्रों में हैं। ये डाकघर उन लाखों लोगों के लिए संचार का एकमात्र साधन हैं, जहां इंटरनेट और स्मार्टफोन अभी भी एक सपना हैं। भारतीय डाक ने न केवल पत्रों को पहुंचाया, बल्कि स्वतंत्रता संग्राम में क्रांतिकारियों के संदेशों को गुप्त रूप से प्रसारित करने, ग्रामीण शिक्षा को बढ़ावा देने और सरकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। डाक सेवाओं ने मानव इतिहास के सबसे कठिन दौर में भी अपनी जिम्मेदारी निभाई है। प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान, जब दुनिया युद्ध की आग में जल रही थी, डाक सेवाओं ने सैनिकों और उनके परिवारों को जोड़े रखा। एक सैनिक का पत्र, जो खाइयों में लिखा गया और मीलों की दूरी तय करके उसके परिवार तक पहुंचा, वह केवल शब्दों का संग्रह नहीं था। वह पत्र आशा, प्रेम और जीवित रहने की प्रेरणा का प्रतीक था। आज भी, प्राकृतिक आपदाओं और महामारियों के समय, जब अन्य संचार साधन ठप हो जाते हैं, डाक सेवाएं निर्बाध रूप से काम करती हैं। 2020 की कोविड-19 महामारी के दौरान, भारतीय डाक ने दवाइयों, आवश्यक सामग्रियों और सरकारी सहायता को दूरदराज के क्षेत्रों तक पहुंचाया, जिसने लाखों लोगों के लिए जीवन रेखा का काम किया। विश्व डाक दिवस केवल अतीत की गौरव गाथा नहीं गाता, बल्कि डाक सेवाओं के बदलते स्वरूप को भी रेखांकित करता है। आज डाकघर केवल पत्र और पार्सल तक सीमित नहीं हैं। भारत में डाक विभाग ने इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (आई.पी.पी.बी.) के जरिए वित्तीय समावेशन को बढ़ावा दिया है। ग्रामीण क्षेत्रों में, जहां बैंकिंग सुविधाएं दुर्लभ हैं, डाकघर बचत खाते, बीमा और डिजिटल भुगतान की सुविधा प्रदान करते हैं। इसके अलावा, डाक सेवाएं ई-कॉमर्स के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। अमेजन और फ्लिपकार्ट जैसे प्लेटफॉर्म्स के साथ साझेदारी करके भारतीय डाक ने ग्रामीण और शहरी भारत को जोड़ा है, जिससे छोटे व्यवसायों और स्थानीय कारीगरों को वैश्विक बाजार तक पहुंचने का मौका मिला है। डाक टिकटें भी विश्व डाक दिवस का एक अनूठा पहलू हैं। ये छोटे-छोटे कागज के टुकड़े केवल भुगतान का साधन नहीं हैं, बल्कि संस्कृति, इतिहास और विज्ञान की कहानियां बयां करते हैं। भारत ने हाल के वर्षों में पर्यावरण संरक्षण, अंतरिक्ष अनुसंधान, और स्वतंत्रता सेनानियों जैसे विषयों पर टिकटें जारी की हैं। ये टिकटें न केवल संग्रहकर्ताओं के लिए मूल्यवान हैं, बल्कि नई पीढ़ी को इतिहास और संस्कृति से जोड़ने का एक माध्यम भी हैं। विश्व डाक दिवस पर आयोजित होने वाली प्रदर्शनियां और प्रतियोगिताएं बच्चों और युवाओं को डाक सेवाओं के महत्व से परिचित कराती हैं। दूरदराज के क्षेत्रों में डाक सेवाओं की भूमिका और भी अनोखी है।

अंटार्कटिक और आर्कटिक जैसे क्षेत्रों में, जहां मानव जीवन की उपस्थिति सीमित है, डाक सेवाएं वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं तक आवश्यक सामग्री पहुंचाती हैं। उदाहरण के लिए, अंटार्कटिक में भारत के डाकघर, जो दुनिया के सबसे दुर्गम डाकघरों में से एक है,

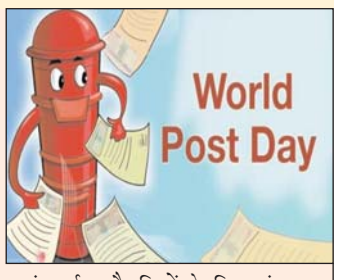

वहां कार्यरत वैज्ञानिकों के लिए संचार का एकमात्र साधन है। यह दिखाता है कि डाक सेवाएं केवल सुविधा नहीं, बल्कि मानवता के लिए एक आवश्यकता हैं। विश्व डाक दिवस का सबसे गहरा संदेश भावनाओं और रिश्तों में छिपा है। एक हस्तलिखित पत्र, एक जन्मदिन कार्ड, या एक शादी का निमंत्रण–ये सभी छोटी-छोटी चीजें हमारे जीवन की सबसे कीमती यादें बन जाती हैं। डिजिटल संदेशों की दुनिया में, जहां संदेश सेकंडों में पहुंच जाते हैं, एक पत्र की प्रतीक्षा में जो मिठास और उत्साह है, वह आज भी बेजोड़ है।

विश्व डाक दिवस हमें यह सिखाता है कि तकनीक भले ही हमें तेजी दे, लेकिन सच्चा संचार भावनाओं और धैर्य में बसता है। 9 अक्टूबर केवल एक तारीख नहीं है। यह एक ऐसा दिन है, जो हमें याद दिलाता है कि डाक सेवाएं केवल पत्र और पार्सल नहीं पहुंचातीं, बल्कि वे आशा, विश्वास और मानवता का संदेश भी पहुंचाती हैं। यह दिन हमें यह भी सिखाता है कि चाहे दुनिया कितनी भी बदल जाए, कुछ चीजें–जैसे एक प्रियजन का पत्र, डाकिए की घंटी, और डाकघर की वह पुरानी खुशबू–हमेशा हमारे दिलों में जिंदा रहेंगी। विश्व डाक दिवस हमें यह एहसास दिलाता है कि संचार का असली जादू तकनीक में नहीं, बल्कि उन भावनाओं में है, जो समय और दूरी को पार करके हमें एक-दूसरे के करीब लाती हैं।

प्रो. आरके जैन

आखिर आरक्षण का ज़हर देश में कब तक घुलता रहेगा?

भारत एक ऐसा देश है जिसने हमेशा समानता, न्याय और भाईचारे की बात की है। संविधान में भी यही भावना निहित है कि हर नागरिक को समान अवसर मिले। परंतु आजादी के लगभग 78 साल बाद भी हम उस समानता के आदर्श से बहुत दूर खड़े हैं। समाज में आरक्षण के नाम पर जो विभाजन की दीवार खड़ी की गई थी, वह अब केवल सामाजिक संतुलन का साधन न रहकर राजनीतिक लाभ और वर्ग विशेष की मलाईखोरी का माध्यम बन गई है।

आरक्षण-एक उद्देश्य था, जो अब राजनीति बन गया

जब संविधान निर्माताओं ने आरक्षण की व्यवस्था की थी, तब उसका उद्देश्य था–सदियों से वंचित और शोषित वर्गों को मुख्यधारा में लाना। यह कदम आवश्यक भी था, क्योंकि समाज का बड़ा हिस्सा शिक्षा, रोजगार और सम्मान से वंचित था। लेकिन सवाल यह है कि जो आरक्षण 10 वर्षों के लिए अस्थायी रूप से लागू किया गया था, वह आज तक क्यों चल रहा है? क्या वाकई उन वर्गों की स्थिति आज भी वैसी ही है जैसी आजादी के समय थी? या फिर यह आरक्षण अब एक ऐसा हथियार बन चुका है, जिससे वोट बैंक की राजनीति खेली जाती है?

आरक्षण से लाभ किसे—वंचित को या मलाईदार तबके को?

आज देश की सच्चाई यह है कि आरक्षण का असली लाभ उसी वर्ग के कुछ प्रभावशाली लोगों को मिल रहा है जो पहले से ही शिक्षित और आर्थिक रूप से सक्षम हैं।

गांव का गरीब दलित, आदिवासी या पिछड़ा आज भी अपने हिस्से का हक पाने से वंचित है, जबकि शहरों में बैठा "आरक्षण लाभार्थी वर्ग" पीढ़ी दर पीढ़ी सरकारी नौकरियों और सुविधाओं का फायदा उठा रहा है। क्या यही था बाबा साहब अंबेडकर का सपना? क्या यही सामाजिक न्याय है कि एक ही वर्ग के भीतर असमानता को स्थायी बना दिया जाए?

क्या अब समय नहीं आ गया कि आरक्षण आर्थिक आधार पर तय हो?

आज भारत में हर जाति, हर धर्म में गरीब हैं। कोई भी जाति गरीबी से अछूती नहीं। ऐसे में सिर्फ जातिगत आधार पर आरक्षण देना अब अन्याय जैसा हो गया है।

अगर एक गरीब ब्राह्मण, ठाकुर, बनिया या मुसलमान अपने बच्चे को दो वक्त की रोटी नहीं खिला पा रहा, तो क्या वह आरक्षण का पात्र नहीं होना चाहिए?

क्यों नहीं अब आरक्षण का आधार आर्थिक स्थिति बनाया जाए, ताकि वाकई जरूरतमंद को उसका हक मिल सके, न कि केवल जातिगत पहचान के आधार पर।

शिक्षा को बने आरक्षण का मूल आधार

यहाँ यह भी आवश्यक है कि जो भी सरकार हो, वह केवल शिक्षा को ही आरक्षण का मूल आधार बनाए।

अगर वास्तव में कोई परिवार आर्थिक रूप से कमजोर है, तो सरकार को उसके बच्चों के लिए विशेष शिक्षा पैकेज या शैक्षिक सहायता योजना लागू करनी चाहिए, जिससे वे आगे बढ़ सकें और प्रतिस्पर्धा में खड़े हो सकें। आरक्षण का मकसद केवल नौकरी पाना नहीं होना चाहिए, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज को सशक्त बनाना होना चाहिए। इसी के साथ एक और बड़ा सुधार यह होना चाहिए कि जो व्यक्ति या परिवार एक बार आरक्षण का लाभ ले चुका है, उसे दोबारा उसी आधार पर आरक्षण का फायदा न दिया जाए। इससे आरक्षण का लाभ हर पीढ़ी में एक ही परिवार तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि नीचे के वंचित तबके तक भी पहुंच पाएगा। आज देखा जा रहा है कि जो परिवार एक बार आरक्षण की छत्रछाया में आ गया, वह पीढ़ी दर पीढ़ी सरकारी नौकरियों और सुविधाओं पर कब्जा बनाए रखता है। इससे नीचे के गरीब, जो वास्तव में ज़रूरतमंद हैं, पीछे ही रह जाते हैं। अगर कोई व्यक्ति या परिवार अब किसी नौकरी या सेवा पद पर पहुँच चुका है, तो उसकी अगली पीढ़ी को बिना आरक्षण के सामान्य प्रतिस्पर्धा में मौका मिलना चाहिए। इससे योग्यता को भी बढ़ावा मिलेगा और आरक्षण के उद्देश्य की गरिमा भी बनी रहेगी। हर पद के लिए चयन का मानक केवल योग्यता और पात्रता होना चाहिए, ताकि जो योग्य है, वही आगे बढ़ सके।

संविधान की भावना और आरक्षण का दुरुपयोग

संविधान में आरक्षण का उद्देश्य था "समान अवसर देना, न कि स्थायी विशेषाधिकार देना।"

लेकिन राजनीतिक दलों ने इसे "वोट की फसल काटने का हथियार" बना लिया।

हर चुनाव में आरक्षण का मुद्दा उछाला जाता है, नई जातियों को जोड़ने की बात होती है, और इसी बहाने समाज को तोड़ा जाता है।

पर कोई यह नहीं सोचता कि यह नीतिगत विष आखिर कब तक देश की नसों में बहता रहेगा।

आरक्षण से बढ़ता सामाजिक तनाव

आज समाज के भीतर "आरक्षण प्राप्त" और "आरक्षण वंचित" दो वर्ग बन गए हैं।जहाँ एक तरफ योग्यता रखने वाला व्यक्ति निराश होकर पलायन कर रहा है, वहीं दूसरी तरफ कुछ लोग केवल जन्म के आधार पर अवसर पा रहे हैं। यह स्थिति युवा पीढ़ी के मन में गहरा आक्रोश भर रही है। इसका परिणाम है – असंतोष, जातीय विभाजन और सामाजिक असंतुलन। अगर यही स्थिति बनी रही, तो आने वाले वर्षों में आरक्षण समानता का नहीं, असमानता का प्रतीक बन जाएगा।

आरक्षण का विकल्प — समान अवसर और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा

अगर वास्तव में सरकारें सामाजिक न्याय चाहती हैं, तो उन्हें आरक्षण नहीं, बल्कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, रोजगार और समान अवसरों पर ध्यान देना होगा। हर गरीब बच्चे को समान शिक्षा मिले, हर मेहनतकश युवक को नौकरी में निष्पक्ष मौका मिले – यही असली सामाजिक सुधार है। आरक्षण से अस्थायी राहत मिलती है, पर शिक्षा और रोजगार के माध्यम से आत्मनिर्भरता ही स्थायी समाधान है।

अंत में — एक साहसी निर्णय की आवश्यकता

अब समय आ गया है कि देश आरक्षण की सच्चाई का सामना करे।

राजनीतिक लाभ से ऊपर उठकर यह तय किया जाए कि क्या आरक्षण का विस्तार देश के हित में है या केवल सत्ता की मजबूरी में? अगर आरक्षण का उद्देश्य समानता था, तो उसे आर्थिक रूप से पिछड़े हर व्यक्ति तक सीमित किया जाना चाहिए – चाहे उसकी जाति कुछ भी हो।

आरक्षण का जहर धीरे-धीरे समाज की नसों में गहराई तक उतर चुका है।अगर इस पर समय रहते मरहम नहीं लगाया गया, तो आने वाली पीढ़ियाँ योग्यता की जगह जाति का बोझ लेकर जन्म लेंगी – और तब भारत "समानता" का नहीं, "विभाजन" का प्रतीक बन जाएगा।

बृजभूषण तिवारी

सकारात्मक सोच निराशा से प्रकाश की ओर

निराशा और चिंता, मनुष्य की प्रगति के सबसे बड़े अवरोधक हैं। ये दोनों न केवल विचारों को कुंठित करती हैं, बल्कि व्यक्ति की ऊर्जा, उत्साह और दिशा–तीनों को निगल जाती हैं।इसलिए आवश्यक है कि हम निराशा को तुरंत अपने चिंतन से अलग करें और चिंता को मस्तिष्क में प्रवेश न करने दें। अन्यथा अत्यधिक चिंता व्यक्ति को "चिता" तक पहुँचाने में देर नहीं लगाती। जीवन के पथ पर यदि आप नवीन संकल्प, दृढ़ निश्चय और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ते हैं, तो कोई बाधा स्थायी नहीं रह सकती। मन ही मन यदि किसी कठिन कार्य का संकल्प ले लिया जाए, तो जिजीविषा, संयम और संघर्ष – ये तीनों सफलता के अनिवार्य सोपान बन जाते हैं। जीवन में सदैव दुष्कर कार्य को पहले अपनाना चाहिए, क्योंकि वही हमारे भीतर की समस्त शक्ति और ऊर्जा को जागृत करता है। कठिनाइयों से पलायन करना, निराशा को जन्म देता है; और निराशा से बढ़कर कोई शत्रु नहीं। अतः हताशा त्यागें, उत्साह और उमंग के साथ आगे बढ़ें – सफलता अवश्य आपके चरणों को चूमेगी। हर वह व्यक्ति जो समाज से अलग खड़ा दिखाई देता है, जिसे हम विलक्षण प्रतिभा या सेलिब्रिटी कहते हैं, उसकी सफलता के पीछे अनवरत परिश्रम, अदम्य मानसिक शक्ति और संयम का योगदान होता है। सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता – विपरीत परिस्थितियों में भी जो व्यक्ति अपने संकल्प और श्रम से अडिग रहता है, वही विजयश्री का अधिकारी बनता है। प्रत्येक मनुष्य के जीवन में आकांक्षाएं, मान्यताएं और प्रतिबद्धताएं होती हैं। हर कोई मूलभूत आवश्यकताओं के साथ-साथ प्रसिद्धि, प्रतिष्ठा और सामाजिक सम्मान की ऊँचाइयों को पाना चाहता है। किंतु सफलता का वास्तविक मूल्य तभी है, जब वह मानवीय मूल्यों, सिद्धांतों और आदर्शों से पोषित हो। यदि व्यक्ति की आकांक्षा इन मूल्यों को विस्मृत कर केवल भौतिक उपलब्धि की ओर मुड़ जाती है, तो वह सफलता समाज और मानवता – दोनों के लिए संकट का कारण बन जाती है। एक वैज्ञानिक यदि अपने ज्ञान का उपयोग मानव कल्याण के उपकरणों के बजाय विनाशकारी हथियारों के निर्माण में करता है, तो यह उसकी प्रतिभा नहीं, बल्कि मूल्यहीनता का प्रतीक है। इसलिए सफलता का नक्शा सदैव नैतिकता, मानवता और सेवा के रंगों से रँगा होना चाहिए। जीवन में मूल्य, सिद्धांत और नैतिकता ही लक्ष्य की सार्थकता निर्धारित करते हैं। सफलता का मापदंड केवल व्यक्तिगत उपलब्धि न होकर मानव कल्याण से जुड़ा होना चाहिए। विश्व की समस्त सभ्यताओं, धर्मों और संस्कृतियों में अहिंसा, सत्य, करुणा, सेवा और विश्व बंधुत्व की समान उपस्थिति इसका प्रमाण है। यही मूल्य वैश्विक विकास की आधारशिला हैं। भारत जैसे प्राचीन देश में इन मूल्यों की परंपरा अत्यंत सुदृढ़ रही है। हमारे ऋषि-मुनियों ने कहा है – "जिसका चरित्र चला गया, वह व्यक्ति मृत समान है।" भारतीय संस्कृति के इतिहास में ऐसे अनगिनत उदाहरण हैं – कबीर, रैदास, ज्ञानेश्वर, तुकाराम, मोइनुद्दीन चिश्ती, निजामुद्दीन औलिया, रहीम, खुसरो, गांधी, नेहरू, टैगोर, सुभाष, विवेकानंद – जिन्होंने सिद्धांतों की प्रतिबद्धता को ही अपनी सफलता का शिखर माना और अपना जीवन समाज को समर्पित कर दिया। इसलिए मनुष्य को महज़ सफलता का उपासक न बनकर मूल्य-समर्पित व्यक्ति बनने का प्रयत्न करना चाहिए। तभी उसकी उपलब्धि क्षणिक न होकर चिरस्थायी और समाजोपयोगी बन सकेगी। आज का मनुष्य तत्कालिक सुख और अस्थाई सफलता की मरीचिका में अपने मूल्यों को विस्मृत कर रहा है। लालच और प्रतिष्ठा की झूठी चमक उसे नैतिकता से दूर ले जा रही है। परंतु याद रखें पानी की पतली धारा नदी नहीं बन सकती, उसी प्रकार मूल्यहीन सफलता स्थाई नहीं होती। विशेष रूप से राजनीति और प्रशासन में मूल्य और सिद्धांतों की आवश्यकता और भी अधिक होती है। क्योंकि राष्ट्र संचालन की दिशा निर्धारित करने के लिए

मानवीय संवेदना, नैतिकता और नीतिगत दृढ़ता अनिवार्य हैं। इनका अभाव समाज को दिग्भ्रमित, अव्यवस्थित और विभाजित कर देता है। वास्तविक और शाश्वत सफलता वही है, जिसमें जीवन के मूल्य और सिद्धांत निहित हों। वही राष्ट्र दीर्घकाल तक स्वतंत्र, समृद्ध और आदर्श बना रह सकता है, जिसके नागरिक और शासक अपने कार्यों में नैतिक प्रतिबद्धता और मानवीय संवेदना को सर्वोपरि रखते हैं। अन्यथा मूल्यविहीन समाज और राष्ट्र अंततः विखंडन की ओर बढ़ जाता है। सफलता का वास्तविक अर्थ केवल उपलब्धि नहीं, बल्कि मूल्य आधारित उपलब्धि है। निराशा का त्याग और सकारात्मक सोच से संकल्पित जीवन ही वह दीपक है, जो अंधकार को प्रकाश में बदल देता है।

संजीव ठाकुर

संपादकीय

आखिर न्यायपालिका के प्रति आक्रोश की मूल वजह क्या है?

हाल ही में सोमवार को सर्वोच्च न्यायालय के भीतर एक ऐसी घटना हुई, जिसकी कल्पना नहीं की गई होगी। शीर्ष अदालत के शीर्ष मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई पर एक वकील ने जूता उछालने की कोशिश की। यह घटना उस वक्त हुई जब जस्टिस गवई की अध्यक्षता वाली बेंच वकीलों के मामलों की सुनवाई के लिए मेंशन सुन रही थी। बताया जा रहा है कि आरोपी वकील राकेश किशोर जज के डाइस के करीब पहुंचा और जूता उतारकर फेंकने की कोशिश की, हालांकि सुरक्षा कर्मियों ने समय रहते उसे रोक लिया। सुरक्षाकर्मी जब आरोपी वकील को पकड़कर बाहर ले जा रहे थे, तब वह 'सनातन का अपमान नहीं सहेंगे' का नारा लगा रहा था। हमारे देश में अदालतों को 'न्याय के मंदिर' माना जाता है तथा न्यायाधीशों को सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है और उनसे बिना किसी भेदभाव के सबके प्रति एक जैसा भाव रखते हुए न्याय करने की उम्मीद की जाती है, फिर भी अपवाद स्वरूप कुछ घटनाएं हुई हैं जिनमें न्यायाधीशों के सम्मान को ठेस पहुंचाने की कोशिश कुछ लोगों ने की है। 6 अक्तूबर सोमवार को सुप्रीमकोर्ट में एक केस की सुनवाई के दौरान 'राकेश किशोर' नामक एक वकील ने मुख्य न्यायाधीश बी. आर. गवई पर जूता उछालने की कोशिश की परंतु श्री गवई ने संयम बनाए रखा और वकीलों से दलीलें जारी रखने का आग्रह करते हुए कहा, "इन सब बातों से आप लोग विचलित मत हों। इन बातों का मुझ पर कोई असर नहीं पड़ता।" घटना के बाद वकील 'राकेश किशोर' ने कहा कि उसने जूता सिर्फ मुख्य न्यायाधीश की ओर उछाला था। इसके बाद कोर्ट रूम सिक्योरिटी वाले उसे डिटेन करके तुरन्त अदालत परिसर से बाहर ले गए तथा बाद में पुलिस ने उसे रिहा कर दिया। जब उसे बाहर ले जाया जा रहा था तो वह चिल्लाते हुए कह रहा था, "सनातन का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान।" वकील 'राकेश किशोर' का कहना था कि," सी.जे. आई. के भगवान विष्णु पर दिए बयान से मैं आहत हूं। उनकी टिप्पणी पर यह मेरी प्रतिक्रिया थी और जो हुआ मुझे उसका अफसोस नहीं।" आपको बता दें कि 16 सितंबर को खजुराहो मामले में दिए फैसले से आरोपी नाराज हो, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने खजुराहो के जवारी मंदिर में भगवान विष्णु की सात फुट ऊंची मूर्ति को दोबारा स्थापित करने की याचिका को खारिज कर दिया था। तब भी कुछ वकीलों ने इस फैसले पर नाराजगी जताई थी उल्लेखनीय है कि यह मामला 'खजुराहो मंदिर' के भगवान विष्णु की मूर्ति पर दिए गए श्री गवई के बयान से जुड़ा है। एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान श्री गवई ने कहा था कि "यह पब्लिक इंट्रैस्ट लिटिगेशन है। अब देवता से ही पूछ लो कि क्या करें।" यूनेस्को की विश्व धरोहरों में अपना विशेष स्थान रखने वाले खुजराहो के एक मंदिर में भगवान विष्णु की मूर्ति के पुनर्स्थापना के संबंध में सीजेआई के बयान की बहुत आलोचना हुई थी। भारत के मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई की टिप्पणी से संबंधित है, जिसमें उन्होंने भगवान विष्णु की क्षतिग्रस्त मूर्ति की बहाली की याचिका पर कहा था कि याचिकाकर्ता को भगवान से ही प्रार्थना करनी चाहिए,कि वही कुछ करें। गवई की यह टिप्पणी निसंदेह अनावश्यक अतिरिक्त और व्यंगात्मक थी उनकी इसी टिप्पणी ने सारा बखेड़ा खड़ा कर दिया। सुप्रीम कोर्ट के गलियारों से राजनीतिक धार्मिक हल्कों से गुजरते हुए लोगों को आक्रोश सोशल मीडिया पर भी दिखा। आरोप लगाया गया कि सीजेआई अपनी बुद्धिस्ट सोच और मान्यता के चलते जानबूझकर सनातन को लज्जित करने के लिए इस तरह की टिप्पणी एक जिम्मेदार पद पर बैठ कर कर रहे हैं। आप को बता दें कि जानकार लोगों का मानना है कि अदालत के सामने याची अपनी याचिका पर न्याय की उम्मीद से जाते हैं चूंकि सुप्रीम कोर्ट न्याय का सबसे बड़ा और अंतिम उपादान है इस लिए भी पदस्थ न्यायमूर्ति का दायित्व बहुत अहम होता है यदि वह न्याय की श्रेष्ठतम सीट पर बैठ कर भी कोई अनर्गल टिप्पणी विषय वस्तु या तथ्यों से हट कर करते हैं तो यह उनकी भावना दुर्भावना को जोड़ सकता है। मौजूदा मामले में भी ऐसा ही हुआ। स्पष्ट न्यायिक निर्देश आदेश पारित न कर एक कथित व्यंगात्मक टिप्पणी कर देश के बहुल समाज की आस्था और मान्यता पर व्यंगात्मक लहजा गलत संदेश देने वाला साबित हुआ। हालांकि सीजेआई महोदय ने सफाई देने की कोशिश की कि क्योंकि खजुराहो मंदिर मूर्ति का मामला भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अधिकार क्षेत्र में आता है. इस लिए उन्होंने खंडित मूर्ति को बदलना की मांग निरस्त कर दी। इस बयान के बाद विवाद हुआ, जिसके बाद सीजेआई गवई ने स्पष्ट किया कि उन्होंने सभी धर्मों का सम्मान किया है और उनके बयान को सोशल मीडिया पर गलत तरीके से पेश किया गया. मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई ने कहा कि मूर्ति एक पुरातात्विक स्थल पर है और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ही इस संबंध में कुछ कर सकता है, इसलिए अदालत हस्तक्षेप नहीं कर सकती. उन्होंने याचिकाकर्ता से 'भगवान से ही कुछ करने के लिए कहने' को भी कहा, जो एक हास्यप्रद टिप्पणी मानी गई. इस टिप्पणी के बाद सोशल मीडिया पर आक्रोश फैल गया, जिसमें कई लोगों ने इसे हिंदू समुदाय और उनकी आस्था का अपमान बताया. विवाद बढ़ने के बाद, जस्टिस गवई ने स्पष्ट किया कि उनका किसी की आस्था को ठेस पहुँचाने का कोई इरादा नहीं था. उन्होंने कहा कि उनके बयान को गलत तरीके से पेश किया गया था और वह सभी धर्मों का सम्मान करते हैं. अब मामले के अन्य पहलुओं पर भी विचार किया जाना जरूरी है। लंबे समय से भारत की न्यायपालिका आम जनमानस में अपना सम्मान प्रतिष्ठा खो रही है इसके पीछे जजों के चयन के लिए कालेजियम की व्यवस्था और इस व्यवस्था के तहत पीढ़ी दर पीढ़ी कुछ गिने-चुने परिवार के बेटे पोते नयायाधीश नियुक्त करना बेहद गलत और शुचिता के स्थान पर आधारभूत पक्षपात और राजाओं के प्रीवीपर्स व्यवस्था के जैसा है तीन दशक पहले कुछ लोगों और सत्तारूढ़ दलों ने अपने हित के हिसाब से यह कालेजियम से जजों की नियुक्ति की व्यवस्था की। इस के अलावा पिछले दिनों एक हाइकोर्ट के जज के आवास के एक हिस्से मे जिस तरह बोरों में भरे करोड़ों की करेंसी नोट जलने की घटना सामने आइ लेकिन उन जज साहब पर कोई समुचित कार्यवाही नहीं की गई इस से भी न्यायपालिका की साख को बट्टा लगा और आम जनमानस में अदालतों के प्रति एक असहमति भरा माहौल जन्म लेने लगा। कालेजियम से पीढ़ी दर पीढ़ी न्यायाधीश नियुक्त करने वाली व्यवस्था और बोरों में नोट रखने वाले जज के खिलाफ भी बंधे हाथ वाले न्यायिक तंत्र के सबसे बड़े पद पर आसीन माननीय को एक पढ़ा लिखा सुप्रीम कोर्ट मे वकालत करने वाला एडवोकेट अपना तमाम प्रोफेशनल कैरियर परिवार जीवन सम्मान रोजी रोटी दाव पर लगा कर यदि कोई बेहद अप्रिय कदम उठाता है तो विश्लेषण करना चाहिए कि यह आक्रोश व्यक्ति / व्यवस्था / तंत्र / भ्रष्टाचार किसके खिलाफ आक्रोश की परिणति है? समस्या के मूल में जाना होगा! हालांकि 'बार काऊंसिल आफ इंडिया' ने वकील 'राकेश किशोर' का लाइसैंस तुरन्त प्रभाव से निलंबित कर दिया है, परन्तु इतना ही काफी नहीं है। वकील के विरुद्ध कठोर कार्रवाई होनी चाहिए ताकि भविष्य में कोई वकील तो क्या कोई भी अन्य व्यक्ति इस तरह की धृष्टता न कर पाए।लेकिन साथ ही साथ उस न्यायपालिका के सिस्टम की भी समीक्षा की जानी चाहिए जिसमें साढे चार करोड़ मुकदमे न्याय के इंतजार में फाइलों में धूल फांक रहें हैं जबकि तारीख पर तारीख देने वाली इन्हीं अदालतों के शीर्ष न्यायमूर्ति एक आतंकवादी की सुनवाई रात को दो बजे अपने आवास पर अदालत लगा कर करते हैं यह कैसी न्यायिक व्यवस्था है जो निठारी कांड के करीब बीस बच्चों के आरोपित अभियुक्तों को उन्नीस साल बाद निर्दोष बरी कर देती है और दोबारा विवेचना कर असली दोषियों को खोजने का आदेश भी पारित नही करती। 100 रूपये की रिश्वत के मामले में 47 साल सुनवाई करने के बाद आरोपी को निर्दोष बरी करती है लेकिन इन साढ़े चार दशक में उसकी पत्नी की मौत और परिवार को बेहद यंत्रणा से गुजरना पड़ता है। जाहिर है यह समूचे सिस्टम की नाकामी और उससे उपज रही हताशा की परिणति है बेशक इस अभद्रता को जायज नहीं बताया जा सकता है लेकिन इस से सुधार का सबक लिया जा सकता है।

मनोज कुमार अग्रवाल

भारत मे पुरुष आयोग का गठन जल्द करे -भारत सरकार

वर्तमान आधुनिक युग मे आज अमूमन आम हो या खास बड़े हो या छोटे या आमिर हो या गरीब परिवारों मे सबसे बड़ी समस्या वेचारिक भिन्नता कि हे जिसके चलते आज आम घरों मे भोतिक सुख सुविधा ओर विलासिता की सबकुछ वस्तुए होने के बाद भी बड़ी संख्या मे स्त्री हो या पुरुष अपने ही घर के अंदर कुंठित, प्रताड़ित, उदास ओर अकेलापन महसूस करता हे ! इसी वैचारिक भिन्नता के चलते आज घरों मे क्लेश होना आम बात हो गई हे ! आज देश की अदालतों मे इसी वैचारिक भिन्नता के चलते ही परिवार टूटने के कारण सर्वाधिक तलाक ओर पारिवारिक संपत्ति के केस अदालतों मे लंबित हे ! स्त्री हो या पुरुष दोनों को ही जब इस देश मे स्वतंत्रता पूर्वक जीने का अधिकार समान हे तो फिर दोनों को ही अपनी अपनी बात रखने का पूरा अधिकार क्यों नहीं हे ? जिस प्रकार महिलाओं के हितों रक्षा करने ओर उनको बढ़ावा देने के उद्देश से जिस प्रकार से राष्ट्रीय महिला आयोग का गठन किया गया हे उसी प्रकार से देश मे राष्ट्रीय पुरुष आयोग का भी गठन भी किया जाना चाहिए था किन्तु वर्तमान परिदृश्य को देखते हुए देश मे पुरुष आयोग का गठन किया जाना एक नितांत आवश्यकता हे ! देश जेसे जेसे संपन्न आधुनिक ओर हाइटेक होता जा रहा हे वेसे वेसे पारिवारिक कलह तनाव अनिद्रा आज देश के लोगों की गंभीर समस्या का रूप धारण करता जा रहा हे ! बेशक जिस प्रकार से इस आधुनिक युग मे महिलाओं के हितार्थ अपनी बात रखने हेतू ओर उन्हें न्याय दिलाने हेतू राष्ट्रीय महिला आयोग कार्य करता हे उसी तर्ज पर पुरुष मन की बात समझने सुनने हेतू भी पुरुष आयोग का होना बेहद जरूरी हे ! पारिवारिक तनाव के चलते देश मे अमूमन रोज ही पुरुषों द्वारा आत्महत्या करने की घटनाओं कि बढ़ोतरी इस बात कि ओर भी इंगित किया जाता हे कि उसके मन कि बात सुनने वाला उसकी

संक्षिप्त खबरें

वर्षो पुराना रास्ते पर खड़ी कर दी दीवाल ग्रामीणों का आवागमन बाधित एसडीएम से शिकायत

मलिहाबाद। 50 वर्ष पुराना रास्ता बंद करने पर ग्रामीणों ने रहीमाबाद थाना सहित उप जिलाधिकारी से रास्ता खुलवाने की मांग की। रहीमाबाद थाना क्षेत्र के मवई फतेपुर गांव निवासी सुरेश सहित गांव के दर्जनभर से अधिक लोगों ने उप जिलाधिकारी मलिहाबाद सहित रहीमाबाद थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया कि गांव में पचासों वर्षो से चला आ रहा एक रास्ते को गांव के ही मुन्ना पुत्र स्वर्गीय जयराम ने दीवार उठाकर रास्ता बंद कर दिया है विरोध करने पर आरोपी ने अपने घर की औरतों को आगे करके गाली-गलौच करते हुए धमकी दी है कि अब रास्ते को कोई नहीं खुलवा सकता ग्रामीणों ने एसडीएम से शिकायत कर रास्ता खुलवाने व आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। बताया गया कि उप जिला अधिकारी अंकित मौर्य ने लेखपाल और राजस्व निरीक्षक से जांच करके रिपोर्ट तलब की है।

रात में आसमान में उड़ते दिखे ड्रोन, ग्रामीणों में दहशत

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के भूरकुशपुर, पूरे अड़ाना, पूरे बरजोर, लक्ष्मण का पुरवा व कान्हा का पुरवा गांव में मंगलवार की रात आसमान में ड्रोन जैसी उड़ती वस्तुएं दिखाई दीं। अचानक आसमान में रंग बिरंगी लाइटों के साथ उड़ती वस्तुएं देखकर ग्रामीणों में दहशत फैल गई। ग्रामीणों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। ग्रामीणों ने बताया कि रात करीब 11:30 बजे आसमान में कई मिनट तक यह चमकती रोशनी मंडराती रही। लोगों ने सामूहिक रूप से बाहर निकलकर निगरानी की। फिर इसकी सूचना पुलिस को दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने देर रात तक गांव और आसपास के क्षेत्रों में गश्त की, लेकिन ड्रोन का कोई सटीक सुराग नहीं मिल सका। गांव निवासी भूपेंद्र विश्वकर्मा, रामखेलावन पासी, शिव विलास और धीरेंद्र ने बताया कि पिछले एक सप्ताह से क्षेत्र के अलग अलग गांवों में ऐसी ही उड़ती वस्तुएं देखी जा रही हैं। इससे ग्रामीणों में डर का माहौल है। लोग रात में जागकर पहरा देने को मजबूर हैं। इंस्पेक्टर क्राइम अनिल कुमार सिंह ने बताया कि कहीं कोई ड्रोन उड़ता दिखाई नहीं दिया है। ग्रामीणों को अफवाहों से बचने के लिए जागरूक किया जा रहा है। कहा कि जब से बड़ी गांव में हुई घटना के बाद केस दर्ज किया गया तब से ड्रोन होने की सूचनाएं नहीं आ रही है। एक दर्जन से अधिक ड्रोन को कोतवाली में जमा कराया गया है। ग्रामीणों को कानून अपने हाथ में न लेने की सलाह दी गई है। उन्होंने कहा कि यदि किसी संदिग्ध व्यक्ति या वस्तु की गतिविधि दिखाई दे तो तुरंत पुलिस को सूचना दें। किसी से मारपीट न करें।

अश्लील हरकत करने वाला युवक थाना श्रीदत्तगंज पुलिस के हत्थे चढ़ा- मिशन शक्ति अभियान के तहत कार्रवाई

बलरामपुर/श्री दत्त गंज। पुलिस अधीक्षक बलरामपुर श्री विकास कुमार के निर्देशन में चल रहे मिशन शक्ति अभियान (फेज 5.0) के तहत महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वाभिमान को सुनिश्चित करने के लिए पुलिस लगातार सघन कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में थाना श्रीदत्तगंज पुलिस ने अश्लील हरकत करने वाले एक युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। अपर पुलिस अधीक्षक श्री विशाल पांडेय व क्षेत्राधिकारी उतरौला श्री राघवेन्द्र सिंह के पर्यवेक्षण तथा थानाध्यक्ष श्रीदत्तगंज श्री कर्मवीर सिंह के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। पुलिस टीम ने मंगलवार को अमारे भरिया तिराहा के पास से अभियुक्त जाहिद अली पुत्र मागीर (उम्र लगभग 25 वर्ष), निवासी ग्राम बभनपुरवा थाना श्रीदत्तगंज, जनपद बलरामपुर को गिरफ्तार किया। अभियुक्त पर महिलाओं और बालिकाओं को देखकर अश्लील गाने गाने व इशारेबाजी करने का आरोप है। थाना श्रीदत्तगंज में उसके विरुद्ध मु.अ.सं. 110/2025 धारा 296 बी.एन.एस. के तहत मामला दर्ज कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तारी टीम में उपनिरीक्षक मिथिलेश कुमार, भानु प्रकाश यादव, हेड कॉन्स्टेबल अमरदीप मौर्या, कॉन्स्टेबल अभिषेक सिंह, पवन रावत, महिला कॉन्स्टेबल मोना व कोमल शामिल रहीं। थानाध्यक्ष श्रीदत्तगंज ने बताया कि मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। सार्वजनिक स्थानों पर अश्लील हरकत करने वालों के खिलाफ इसी तरह की सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

5 रूपये के विवाद में दोस्त पर किया धारदार हथियार से हमला, सिर और गर्दन पर आई गंभीर चोट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर में खेल के दौरान पांच रुपए के विवाद ने दोस्ती को दुश्मनी में बदल दिया कोतवाली नगर क्षेत्र के ग्वाल मंडी इलाके में दोस्त अनुज ने अपने ही दोस्त अर्जुन पर धारदार हथियार से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल अर्जुन को स्थानीय लोगों की मदद से जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उसकी हालत चिंताजनक बताई जा रही है जानकारी के अनुसार, मंगलवार दोपहर बाद ग्वाल मंडी निवासी दोनों किशोर अर्जुन और अनुज मोहल्ले में कंचे खेल रहे थे। खेल के दौरान पांच रुपए की हार-जीत को लेकर दोनों में विवाद हो गया बताया जाता है कि अर्जुन ने खेल में जीतने के बाद अनुज से पांच रुपए मांगे लेकिन अनुज ने पैसे देने से इनकार कर दिया बात-बात में दोनों के बीच कहासुनी बढ़ गई और गुस्से में आकर अनुज ने घर में रखे बांके को लेकर अचानक (धारदार हथियार) से अर्जुन पर हमला कर दिया हमले में अर्जुन के सिर और गर्दन पर गंभीर चोटें आई वारदात के बाद आरोपी अनुज मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने घायल अर्जुन को तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया और पुलिस को सूचना दी मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और मामले की जांच शुरू कर दी है परिजनों का कहना है कि दोनों बचपन के दोस्त थे और अक्सर साथ खेलते थे किसी ने सोचा भी नहीं था कि पांच रुपए का विवाद इस हद तक पहुंच जाएगा फिलहाल पुलिस ने आरोपी अनुज की तलाश शुरू कर दी है और परिवार से पूछताछ कर रही है। थाना कोतवाली नगर प्रभारी अनूप शुक्ला ने बताया कि पीड़ित का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है आरोपी के खिलाफ तहरीर मिलते ही मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी!!

श्री ब्रह्म बाबा वैदिक चेतना आश्रम में राम कथा का अमृत वर्षा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद। रहीमाबाद क्षेत्र के श्री ब्रह्म बाबा वैदिक चेतना आश्रम अनीपुर ससपन में आयोजित वार्षिक महोत्सव में अयोध्या धाम से पधारे कथावाचक आचार्य प्रेम जी महाराज ने राम कथा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। आचार्य प्रेम जी महाराज ने राम कथा को 'सुरतरु की छाया के समान बताते हुए कहा, "राम कथा सुरतरु की छाया, दुख भय दूर निकट जो आया।" उन्होंने स्पष्ट किया कि राम कथा ब्रह्म वृक्ष के समान है, जो स्थिरता देती है और मूल जड़ की तरह है, जिससे जीवन का तना मजबूत होता है। यह कथा कल्पवृक्ष की छाया के समान है, जिसके आश्रय में आने से सभी प्रकार के दुख, भय और दुष्टता दूर हो जाते हैं और सभी इच्छाएं पूर्ण होती हैं।महाराज जी ने कहा कि जो भी व्यक्ति श्रद्धा और भक्ति के साथ राम कथा का आश्रय लेता है, वह जीव जन्म-मृत्यु के बंधन से मुक्त हो जाता है। उन्होंने भगवान शिव और पार्वती के संवाद का उल्लेख करते हुए कहा, "पूछेव रघुपति कथा प्रसंगा, सकल लोक जग पवनि गंगा।" उन्होंने राम कथा की तुलना भागीरथी गंगा से की, जो गौमुख से निकलकर गंगा सागर तक सभी क्षेत्रों को पवित्र करती है। ठीक इसी प्रकार, राम कथा रूपी गंगा कलियुग में जन-जन तक पहुंचकर उन्हें पवित्र कर रही है।

वार्षिक महोत्सव में कथा का आयोजन आचार्य सुनील कान्त तिवारी द्वारा किया गया। इस अवसर पर आचार्य मुकेश पाण्डेय, आचार्य विवेक, शिवा, मैकू प्रधान, रिकू सूर्या, दीपक सिंह और नील कमल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

सीबीआई अधिकारी बनकर ठगों ने युवक से ऐंठे 21 हजार रुपये

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के रेवाड़ी पसिया खेड़ा गांव निवासी एक व्यक्ति से ठगों ने सीबीआई अधिकारी बनकर 21 हजार रुपये ठग लिए। पीड़ित ने साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई है। गांव निवासी भगवानदीन ने बताया कि उसके मोबाइल पर अज्ञात व्यक्ति का फोन आया। कॉल करने वाले ने खुद को सीबीआई की लखनऊ ब्रांच का अधिकारी बताते हुए कहा कि वह अश्लील वीडियो देखते पकड़ा गया है। उसके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। आरोपी ने धमकाकर कहा कि पुलिस उसे गिरफ्तार करने आ रही है। घबराए भगवानदीन ने ठग के भेजे गए क्यूआर कोड में दो बार में 21 हजार रुपये ट्रांसफर कर दिए। जब ठगों ने और रकम की मांग की तो उसे अपने साथ हुई ठगी का एहसास हुआ। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि ऐसा कोई मामला उनके संज्ञान में नहीं है।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार की हुई मौत, फरार ट्रक ड्राइवर की तलाश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर के थाना खैराबाद क्षेत्र में मंगलवार की देर शाम नेशनल हाईवे-30 पर एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें बाइक सवार एक युवक की मौके पर मौत हो गई जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया हादसा अकीलपुर गांव के पास हुआ, जहां तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवारों को जोरदार टक्कर मार दी हादसे के बाद आरोपी ट्रक चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया?। जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान विनय कुमार पुत्र उमर निवासी खैराबाद के रूप में हुई है वहीं, हादसे में गंभीर रूप से घायल युवक का नाम गुलाब पाल बताया जा रहा है दोनों किसी काम से बाइक से सीतापुर की ओर जा रहे थे जैसे ही वे अकीलपुर के पास पहुंचे तभी पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए और दोनों सड़क पर गिर पड़े स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और गंभीर रूप से घायल गुलाब पाल को जिला अस्पताल पहुंचाया जहां उसका इलाज जारी है वहीं, विनय कुमार को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया हादसे की सूचना मिलते ही परिजन भी जिला अस्पताल पहुंचे जहां परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है परिवार में मातम पसरा हुआ है पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना खैराबाद प्रभारी अनिल सिंह ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है हादसे में शामिल ट्रक को कब्जे में लेकर फरार

चालक की तलाश की तलाश की जा रही है शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है पुलिस ने आश्वासन दिया है कि जल्द ही आरोपी चालक की पहचान कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी!!

तीन भाइयों ने की युवक की हत्या ज़मीन को लेकर चल रहा था झगड़ा, पिटाई के बाद ज़हर देने का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर के संदना थाना क्षेत्र में जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों में हुआ विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया आरोप है कि तीन भाइयों ने मिलकर अपने ही भाई की जमकर पिटाई की और जब वह बेहोश हो गया तो उसे जबरन जहर पिला दिया गंभीर हालत में परिजन घायल को अस्पताल लेकर पहुंचे जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है घटना संदना थाना क्षेत्र के पट्टी गांव की है मृतक की पहचान प्रेमचंद्र के रूप में हुई है प्रेमचंद्र का अपने तीन भाइयों पप्पू, अर्जुन और अरुण के साथ जमीन के बंटवारे को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था मंगलवार दोपहर को इसी विवाद को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी हो गई जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई आरोप है कि तीनों भाइयों ने मिलकर प्रेमचंद्र की बेरहमी से पिटाई की और जब वह अचेत हो गया तो उसे जहर पिला दिया परिजनों ने बताया कि प्रेमचंद्र को गंभीर हालत में सीएचसी ले जाया गया, जहां से डॉक्टरों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। लेकिन उपचार के दौरान देर रात प्रेमचंद्र की मौत हो गई मरने से पहले प्रेमचंद्र ने अपने भाइयों और भतीजों पर पिटाई और जहर देने का आरोप लगाया था गांव वालों के मुताबिक, कुछ दिन पहले भी जमीन के बंटवारे को लेकर भाइयों के बीच विवाद हुआ था। मामला फिलहाल तहसील

में विचाराधीन था थाना प्रभारी संदना ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी मृतक के पुत्र की तहरीर पर मुकदमा दर्ज करने की तैयारी की जा रही है पुलिस ने आरोपियों की तलाश में दबिश शुरू कर दी है!!

पसनैका के ग्रामीणों ने शुरू किया अनिश्चित कालीन धरना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

इमलिया सुल्तानपुर सीतापुर(संवाद)। ऐलिया ब्लाक मुख्यालय इमलिया सुल्तानपुर के गेट पर पसनैका के ढाई दर्जन ग्रामीणों ने वरिष्ठ पत्रकार सरोज सिंह की अगुवाई में बुधवार की सुबह से अनिश्चित कालीन धरना शुरू कर दिया है। ग्रामीणों का आरोप है पंचायत विभाग सरकार की प्राथमिकता वाली विकास योजनाओं पर ध्यान नहीं दे रहा है। जिससे जहाँ सरकार की छवि पर विपरीत असर पड़ रहा है। वहीं छात्र छात्राओं को शौंचालय, मूत्रालय का लाभ नहीं मिल सका है। जिसके सम्बन्ध में ब्लाक के अधिकारियों से लेकर जनपद के आलाधिकारियों को शिकायती पत्र प्रेषित कर समय समय पर अवगत कराया जाता रहा है। पंचायत विभाग की इस हठ धर्मिता के चलते हम सब ग्रामीण विवश होकर धरने पर बैठे हैं। जब तक सभी विन्दुओं की निश्पक्ष जांच एवं कार्यवाही का लिखित अस्वासन नहीं मिलेगा। तब तक धरना अनवरत जारी रहेगा।

आवश्यकता पड़ी तो धरना आमरण अनशन में बदल दिया जायेगा। धरने की अगुवाई कर रहे श्री सिंह ने बताया कि जूनियर विद्यालय सरांयजीत की बाउण्ड्रीवॉल निर्माण का करीब सात लाख से अधिक शासकीय धन हड़पा जा चुका है। दुबारा चालू वर्ष में बिना स्टीमेट स्वीकृति कराये बाउण्ड्रीवॉल का घटिया निर्माण शुरू कराया, जिसमें नीव तक नहीं थी। जिसका विरोध कर उत्तर दिशा की अपने समक्ष नीव खुदवाई थी। शेष में परिवर्तन नहीं किया गया, उक्त विद्यालय में चार वर्ष बीतने के बाद भी शौंचालय व मूत्रालय सुविधा नहीं उपलब्ध कराई जा सकी है। जो टायली करण कराया गया उसमें बिना फर्श तोड़े ही लीपापोती की गई, इण्डिया मार्का हैण्डपम्प मरम्मत व रीबोर में भी खेला किया गया। हैण्डपम्पों से निकाली गई पुरानी सामग्री का अता पता नहीं है। उचितदर विक्रेता चयन हेतु बैठक एजेण्डा जारी न करना पंचायत विभाग की हठधर्मिता दर्शाता है। धरने पर मुख्य रूप से मनोज कुमार, परवन, रामकुमार, मंगल सिंह, रामनिवास, रविन्द्र यादव, होरी लाल, प्यारेलाल आदि उपस्थित थे।

जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय पर अनिश्चितकालीन धरना शुरू!

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मुजफ्फरनगर में प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ ने जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय पर अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया है। शिक्षकों की विभिन्न मांगों को लेकर यह धरना दिया जा रहा है, जिनमें पदोन्नति पाए शिक्षकों के वेतन निर्धारण, पुरानी पेंशन योजना के तहत जीपीएफ कैलकुलेशन, और नोशनल इंक्रीमेंट के प्रकरणों का निस्तारण शामिल है। मांगें पदोन्नति पाए शिक्षकों का वेतन निर्धारण कई माह बीत जाने के बाद भी पदोन्नति पाए शिक्षकों का वेतन निर्धारण नहीं हो पाया है। पुरानी पेंशन योजना 1 अप्रैल 2005 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों का जीपीएफ कैलकुलेशन करने का आदेश अभी तक नहीं आया है। नोशनल इंक्रीमेंट नोशनल इंक्रीमेंट के 100 से अधिक प्रकरण 1 वर्ष बीत जाने के बाद भी लम्बित हैं।

शिक्षकों की प्रतिक्रिया भारी रोष शिक्षकों में जिला विद्यालय निरीक्षक और वित्त एवं लेखा अधिकारी के खिलाफ भारी रोष है। अनिश्चितकालीन धरना जब तक मांगें पूरी नहीं होती, तब तक धरना जारी रहेगा। आंदोलन में शामिल शिक्षक डॉ. अमित कुमार जैन जिला अध्यक्ष ने बताया कि विभिन्न प्रकरणों का निस्तारण न होने से शिक्षकों में रोष है। शिवकुमार यादव जिला संरक्षक और प्रदेश उपाध्यक्ष ने बताया कि पदोन्नति पाए शिक्षकों के वेतन निर्धारण का कार्य लम्बित है।

अरुण कुमार जिला मंत्री ने बताया कि पुरानी पेंशन योजना के तहत जीपीएफ कैलकुलेशन का आदेश अभी तक नहीं आया है। सैकड़ों शिक्षक इस आंदोलन में शामिल हैं और अपनी मांगों को लेकर अड़े हुए हैं।

नगर निगम डिग्री कॉलेज में 300 छात्रों को मिला कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) प्रशिक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना के तहत छात्र-छात्राओं को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence - AI) प्रशिक्षण देने का कार्य लखनऊ में जोर-शोर से जारी है। इसी क्रम में, अटल बिहारी वाजपेई नगर निगम डिग्री कॉलेज, लखनऊ में प्राचार्य डॉ. सुभाष पांडेय के कुशल निर्देशन में 8 अक्टूबर 2025 को एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

1रू 1B संस्था द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में, छात्रों को EY AI Skills Passport course के अंतर्गत IBM SkillsBuild और Work Readiness के दो सत्रों में गहन प्रशिक्षण दिया गया। अब तक, कॉलेज के 300 छात्र-छात्राओं को इस महत्वपूर्ण तकनीक का प्रशिक्षण मिल चुका है।

संस्थान के प्रशिक्षक अभिनव ने छात्रों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विभिन्न पहलुओं से परिचित कराया। उन्होंने ढ्ढ के महत्व और विभिन्न क्षेत्रों में इसके अनुप्रयोगों पर प्रोजेक्टर के माध्यम से ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों मोड में विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षण शुरू करने से पहले, सभी छात्रों का ऑनलाइन त्तक्र कोड पंजीकरण भी सुनिश्चित किया गया। प्रशिक्षक अभिनव ने छात्रों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया। छात्रों ने सोशल मीडिया पर AI के दुरुपयोग, विशेष रूप से 'डीपफेक' और

इससे होने वाले संभावित साइबर अपराधों से बचने के उपायों के बारे में प्रश्न पूछे, जिनका उन्होंने संतोषजनक उत्तर दिया। यह प्रशिक्षण छात्रों को आधुनिक तकनीकी कौशल से लैस करने और उन्हें भविष्य के लिए तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

दूध व्यापारी की मौत पानी में डूबने से हुई पुष्टि, 6 अक्टूबर को मिला था शव

● परिजनों ने दो लोगों पर लगाया था हत्या का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर के सकरन थाना इलाके में बुजुर्ग दूध व्यापारी का शव मिलने के बाद लगे परिजनों के आरोपों को पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट ने खारिज कर दिया है। डॉक्टरों की निगरानी में हुए पोस्टमॉर्टम में बुजुर्ग की मौत की पुष्टि पानी में डूबने के कारण हुई है शव मिलने के बाद परिजनों ने गांव के ही दो लोगों पर जमीनी विवाद के चलते हत्या करने का आरोप लगाया था पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट ने परिजनों के आरोपों को खारिज कर दिया है। पुलिस पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और फॉरेंसिंक साक्ष्य के साथ मामले की तफ्तीश कर रही है मालूम हो कि बीती 6 अक्टूबर की सुबह ग्राम उल्लहा निवासी दूध व्यापारी नसीम का शव गांव के बाहर पुलिया के नीचे 2 फिट गहरे पानी में पड़ा मिला था परिजनों ने घटना के दौरान पुलिस को जानकारी दी थी कि मृतक रविवार देर रात गांव के बाहर स्थित डेयरी पर दूध देने गया था देर रात तक जब वह वापस नहीं लौटा तो परिजनों ने काफी खोजबीन की तो उसका सुबह तड़के शव पुलिया के नीचे मिला परिजनों ने वारदात के दौरान हत्या की आशंका जताते हुए जमीनी रंजिश में पड़ोसी गांव के निवासी हरकेश और स्वरूप पर हत्या करने का आरोप लगाया था पुलिस ने मामले की गंभीर से लेते हुए तफ्तीश और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद परिजनों के आरोपों को खारिज कर दिया है। प्रभारी

निरीक्षक नवनीत मिश्रा ने बताया कि पोस्टमॉर्टम में बुजुर्ग की मौत डूबने से होने की पुष्टि हुई है वहीं शरीर पर किसी प्रकार के चोटों की भी पुष्टि नहीं हुई है पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आधार पर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार कर दिया है!!

यूपी रेरा ने 21वां रियल एस्टेट एजेंट प्रशिक्षण कार्यक्रम किया आयोजित

● .....लखनऊ में चार दिवसीय प्रशिक्षण सत्र का शुभारंभ, चेयरमैन संजय भूसरेड्डी और न्यायमूर्ति सुनीत कुमार ने दिए मार्गदर्शन- एजेंटों से पारदर्शिता, जवाबदेही और उपभोक्ता हितों को सर्वोपरि रखने का आह्वान।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ/गौतमबुद्ध नगर। उत्तर प्रदेश रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (यूपी रेरा) के तत्वावधान में लखनऊ स्थित इंडियन लिटरेसी बोर्ड में बुधवार को चार दिवसीय 21वां रियल एस्टेट एजेंट प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि माननीय न्यायमूर्ति सुनीत कुमार, अध्यक्ष रियल एस्टेट अपीलीय न्यायाधिकरण (REAT), और यूपी रेरा चेयरमैन संजय भूसरेड्डी द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में एजेंट, विशेषज्ञ और रेरा अधिकारी उपस्थित रहे।

अपने उद्घाटन संबोधन में चेयरमैन संजय भूसरेड्डी ने कहा कि प्रमोटर, एजेंट और रेरा रियल एस्टेट क्षेत्र के तीन अभिन्न स्तंभ हैं, जो उपभोक्ता के निवेश की सुरक्षा, पारदर्शिता और क्षेत्र के स्वस्थ विकास के साझा उद्देश्य से कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि रेरा की स्थापना उपभोक्ता के विश्वास को मजबूत करने और क्षेत्र में जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए की गई थी। भूसरेड्डी ने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम एजेंटों की व्यावसायिक दक्षता को बढ़ाने और उन्हें रेरा अधिनियम तथा

अन्य संबंधित कानूनों की गहरी समझ प्रदान करने का माध्यम बनेगा। उन्होंने प्रतिभागियों को सलाह दी कि वे अपार्टमेंट ओनरशिप एक्ट, अनुबंध अधिनियम और संपत्ति अंतरण अधिनियम का अध्ययन करें तथा ग्राहकों को केवल वही जानकारी दें जो रेरा पोर्टल पर सत्यापित रूप में उपलब्ध हो। उन्होंने बताया कि रेरा प्रतिभागियों के सुझावों के आधार पर प्रशिक्षण में लगातार सुधार कर रहा है। कार्यक्रम के अंत में परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले अभ्यर्थियों को प्रमाणपत्र प्रदान किए जाएंगे और उनके विवरण रेरा पोर्टल पर अपलोड होंगे, जिसके बाद वे ऑनलाइन एजेंट रजिस्ट्रेशन के लिए आवेदन कर सकेंगे।

मुख्य अतिथि माननीय न्यायमूर्ति सुनीत कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि रेरा उपभोक्ता, प्रमोटर और एजेंट तीनों के बीच एक सशक्त सेतु का कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि रियल एस्टेट एजेंटों को रेरा पोर्टल और अधिनियमों से पूरी तरह अद्यतन रहना चाहिए ताकि वे खरीदारों को प्रमाणित और सही जानकारी ही उपलब्ध करा सकें। न्यायमूर्ति सुनीत कुमार ने कहा कि एजेंट का दायित्व उपभोक्ता के हित को सर्वोपरि रखना है और उसे यह सुनिश्चित करना चाहिए कि किसी भी प्रकार की भ्रामक या असत्य जानकारी ग्राहकों तक न पहुंचे। उन्होंने कहा कि कई बार गलत जानकारी या असत्य

सौदेबाज़ी के कारण एजेंटों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है, इसलिए हर चरण में पारदर्शिता और ईमानदारी बनाए रखना आवश्यक है।

प्रशिक्षण के पहले दिन यूपी रेरा के सचिव महेन्द्र वर्मा ने प्रतिभागियों से संवाद किया और प्रशिक्षण सत्रों का परिचय कराया। उन्होंने उद्योग में नैतिक आचरण और रेरा अधिनियम, नियमों व विनियमों की महत्ता पर विस्तृत व्याख्यान दिया। सिस्टम विश्लेषक गणेश मिश्रा ने परियोजनाओं के प्रमोशन, मार्केटिंग दिशा-निर्देशों तथा एजेंट पोर्टल के उपयोग पर प्रस्तुति दी। इसके साथ ही स्टाम्प एवं पंजीयन अधिनियम और अन्य संबंधित विषयों पर भी विशेषज्ञों द्वारा सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। चार दिवसीय इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य रियल एस्टेट एजेंटों की पेशेवर क्षमता को सुदृढ़ करना, उपभोक्ता संरक्षण को मजबूत बनाना और रियल एस्टेट क्षेत्र में पारदर्शिता व विश्वास को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर यूपी रेरा के वरिष्ठ अधिकारी सचिव महेन्द्र वर्मा, संयुक्त सचिव उमाशंकर सिंह, वित्तीय सलाहकार सुधांशु त्रिपाठी, लीगल एडवाइजर चन्दन कुमार सिंह, सहायक निदेशक (आईटी) अमरीश कुमार तथा इंडियन लिटरेसी बोर्ड के सलाहकार प्रवीण टंडन सहित कई अधिकारी और प्रशिक्षक उपस्थित रहे।

टेंट में काम करते समय युवक की हुई मौत घर में मचा कोहराम, जनरेटर की लाइन जोड़ते समय लगा करंट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर के महोली कोतवाली क्षेत्र के अधौरा गांव में उस समय हड़कंप मच गया जब टेंट में काम कर रहे एक युवक की बिजली का करंट लगने से मौत हो गई घटना बुधवार की बताई जा रही है हादसे के बाद मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई और आनन-फानन में घायल युवक को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार, अधौरा गांव में एक शादी समारोह की तैयारी चल रही थी इसी दौरान टेंट लगाने का काम किया जा रहा था जनरेटर से टेंट की लाइन जोड़ने के दौरान 22 वर्षीय विशाल पुत्र रामकिशोर, निवासी नेकपुर थाना महोली को अचानक विद्युत करंट लग गया करंट लगते ही विशाल मौके पर गिर पड़ा साथी मजदूरों ने तत्काल उसे संभाला और अस्पताल ले गए लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी अस्पताल के डॉक्टरों ने जांच के बाद विशाल को मृत घोषित कर दिया युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है बताया जा रहा है कि विशाल अपने परिवार का इकलौता बेटा था और टेंट का काम कर घर का खर्च चलाता था उसकी अचानक हुई मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। सूचना मिलने पर महोली पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक जांच की पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए

भेज दिया है थाना प्रभारी ने बताया कि हादसा जनरेटर की बिजली लाइन में लापरवाही से काम करने के दौरान हुआ है पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी गांव में हुई इस दर्दनाक घटना से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान करने की मांग की है!!

संक्षिप्त खबरें

एसआईए ने यूएपीए मामले में कश्मीर घाटी में तलाशी ली

अधिकारियों ने बताया कि तलाशी के दौरान आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए गए हैं।

जम्मू कश्मीर पुलिस की राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) ने बुधवार को गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत दर्ज एक मामले की जांच के सिलसिले में घाटी में कई स्थानों पर तलाशी ली। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि एसआईए के दलों ने कश्मीर घाटी के अनंतनाग, कुलगाम और बारामूला जिलों में तलाशी ली। उन्होंने कहा कि उत्तरी कश्मीर के बारामूला में एसआईए ने रफियाबाद और सोपोर इलाकों में तलाशी ली, वहीं दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के पदपोरा बदसगाम इलाके में भी तलाशी ली गई। द्वअधिकारियों ने बताया कि इसी तरह दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले के कलम इलाके में भी एसआईए के कर्मियों ने तलाशी ली। उन्होंने कहा कि यह तलाशी गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत दर्ज एक मामले में एसआईए की जांच का हिस्सा थी। अधिकारियों ने बताया कि तलाशी के दौरान आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए गए हैं। यूएपीए के तहत जांच एजेंसी गिरफ्तारी के 180 दिन के भीतर आरोपपत्र दाखिल कर सकती है और अदालत को सूचित करने के बाद यह अवधि बढ़ाई जा सकती है। इसमें अधिकतम सजा के तौर पर मृत्युदंड और आजीवन कारावास का प्रावधान है।

उसका बाजार पुलिस ने किया पैदल मार्च

सिद्धार्थनगर। करवा चौथ और दीपावली पर्व को लेकर उसका पुलिस पूरी तरह से अलर्ट है। इस बाबत उसका बाजार पुलिस ने बुधवार को उसका कस्बे में पैदल मार्च कर लोगो को सुरक्षा का एहसास कराया।इस दौरान प्रभारी निरीक्षक हरेकृष्ण उपाध्याय ने नागरिकों से आपसी सौहार्द और शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की । उन्होंने कहा कि त्यौहार के मौके पर शांति व्यवस्था बनाए रखें। सड़क पर अनावश्यक वाहन आदि खड़ा करने पर कार्यवाही भी की जाएगी। पैदल मार्च के दौरान सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करने की भी अपील की। उन्होंने कहा कि हर हाल में क्षेत्र शांति और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशाशन कटिबद्ध है।अराजक तत्वों पर पैनी नजर है, शिकायत मिलते ही कठोर कार्रवाई की जाएगी। अगर कोई भी अराजक तत्व उपद्रव करने का प्रयास करेगा तो उनपर कठोर कार्यवाही की जाएगी।पुलिस प्रशासन क्षेत्रीय जनमानस को सुरक्षित माहौल में त्योहारों को आपसी सद्भाव के बीच संपन्न कराने के प्रति कटिबद्ध है। त्यौहार में खलल पैदा करने वाले उपद्रवी कत्तई नहीं बक्से जाएंगे।

नोएडा-पांच लाख रुपए उगाही के लिए खुद के अपहरण की कहानी गढ़ी, गिरफ्तार

नोएडा शहर की थाना फेस-तीन पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है जिस पर खुद के अपहरण का स्वांग रचने तथा एक महिला और उसके पति को अपहरण के मामले में फंसाने का प्रयास करने का आरोप है।

थाना फेस-तीन के प्रभारी निरीक्षक ध्रुव भूषण दुबे ने बताया कि पुलिस ने आज एक सूचना के आधार पर दशरथ साहू को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि उक्त व्यक्ति ने कुसुम नामक महिला और उसके पति काशी रैकवार के साथ गत 24 सितंबर को यहां एक सोसाइटी के पास कथित रूप से मारपीट की तथा 5 लाख रूपए की मांग की थी। अधिकारी के अनुसार पैसे नहीं देने पर आरोपी ने दोनों को झूठे मुकदमे में फंसाने और जान से मारने की धमकी दी। महिला ने इस मामले में 5 अक्टूबर को थाना फेस-3 में मुकदमा दर्ज करवाया था। थाना प्रभारी ने बताया कि जब महिला ने पैसे देने से इनकार कर दिया तो आरोपी स्वयं घर से गायब हो गया और उसने अपने अपहरण का झूठा नाटक रचा। पुलिस अधिकारी के अनुसार आरोपी ने शिकायती महिला और उसके पति को डरा-धमकाकर पांच लाख रुपए की उगाही करने का प्रयास किया और उसने अपनी पत्नी को यह झूठ बोला कि महिला और उसके पति ने उसका अपहरण कर लिया है। उन्होंने बताया कि घटना की जांच कर रही पुलिस ने आज दशरथ साहू को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान उसने बताया कि वह महिला और उसके पति को फंसाने के लिए अपहरण का झूठा नाटक कर रहा था। वह उनसे 5 लाख रुपए ऐंठना चाह रहा था। आरोपी की उम्र 34 वर्ष है तथा वह कक्षा आठवीं तक पढ़ा है। उसे न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

अंदर घुसे हूतियों के ड्रोन, 1 घंटे में चार बार इजरायल को दहलाया, मची चीख-पुकार

● माना जा रहा है क्योंकि हूतियों का इजरायल पर अटैक जारी है। जिससे कहीं न कहीं इजरायल भड़का हुआ है। इज़राइल रक्षा बलों ने बताया कि यमन में हूतियों द्वारा दागे गए चार विस्फोटकों से लदे ड्रोनों को इज़राइली वायु रक्षा बलों ने मंगलवार दोपहर एक घंटे के भीतर लाल सागर के रिसॉर्ट शहर ऐलात के पास मार गिराया।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

इजरायल और हमास के बीच चल रहे युद्ध को पूरे दो साल हो चुके हैं। लगातार दो साल तक चली जंग के अब थमने के आसार भी नजर आने लगे हैं। लेकिन हूतियों की ओर से जिस तरह की कार्रवाई और अटैक किए जा रहे हैं। उससे लगता है कि हूती नहीं चाहते कि हमास और इजरायल के बीच की जंग थमे और न ही गाजा में शांति आए। ऐसा इसलिए माना जा रहा है क्योंकि हूतियों का इजरायल पर अटैक जारी है। जिससे कहीं न कहीं इजरायल भड़का हुआ है। इज़राइल रक्षा बलों ने बताया कि यमन में हूतियों द्वारा दागे गए चार विस्फोटकों से लदे ड्रोनों को इज़राइली वायु रक्षा बलों ने मंगलवार दोपहर एक घंटे के भीतर लाल सागर के रिसॉर्ट शहर ऐलात के पास मार गिराया।

ऐलात में दोपहर 2:36 बजे पहले हूती ड्रोन के लिए सायरन बजाया गया, और फिर 2-58 बजे, जब दो और ड्रोन इज़राइल के सबसे दक्षिणी शहर के तट पर पहुँचे। चौथे ड्रोन ने ऐलात में कोई अलर्ट नहीं बजाया, क्योंकि उसे ख़तरा पैदा करने लायक़ नज़दीक पहुँचने से पहले ही मार गिराया गया। सेना ने कहा कि इजरायली वायु सेना ने सभी चार ड्रोनों को सफलतापूर्वक रोक लिया। किसी के घायल होने या किसी नुकसान की कोई खबर नहीं है। ये हमले सुकोट की छुट्टियों के दौरान और हमास आतंकवादी समूह के 7 अक्टूबर के विनाशकारी हमले की दूसरी बरसी पर हुए, जिसमें 1,200 लोग मारे गए थे और 251 बंधक बनाए गए थे।

ईरान समर्थित आतंकवादी समूह हौथिस ने बार-बार इजरायल पर बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन से हमला किया है और कहा है कि वे हमास के खिलाफ इजरायल के युद्ध के दौरान गाजा पट्टी के समर्थन में ऐसा कर रहे हैं। इस समूह ने कई बार ऐलात को ड्रोन से निशाना बनाया है। पिछले महीने, एक हूथी ड्रोन ने रिसॉर्ट शहर पर हमला किया था, जिसमें 20 से ज़्यादा लोग घायल हो गए थे। इस हफ़्ते की शुरुआत में, नगरपालिका और आईडीएफ होम फ्रंट कमांड ने उस हमले के बाद ऐलात में 10 नए मोबाइल बम शेल्टर स्थापित किए।

बिना रजिस्ट्रेशन चल रहा राहत हॉस्पिटल सील, दो पर केस दर्ज

सिद्धार्थनगर। जिले के बढ़नी कस्बे में संचालित राहत हॉस्पिटल सर्जिकल एवं जच्चा-बच्चा केंद्र को जिला प्रशासन ने बुधवार को सील कर दिया। अस्पताल बिना वैध पंजीकरण और फर्जी कागजातों के सहारे चलाया जा रहा था। शिकायत के बाद जिलाधिकारी डॉ. राजा गणपति आर. ने तत्काल जांच के निर्देश दिए थे।स्वास्थ्य विभाग की जांच में अस्पताल के सभी दस्तावेज फर्जी पाए गए। इस पर थाना ढेबरूआ में संचालक तौसीफ एच. खान और अफाक के खिलाफ कूटरचित दस्तावेज तैयार करने तथा मेडिकल काउंसिल एक्ट की गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गई है।यह मामला जिले में स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली और फर्जी अस्पतालों के संचालन पर गंभीर सवाल खड़ा करता है।

चोरी का 80 ड्रम डावर बरामद किया

पुलिस द्वारा बारामद किये गये डांवर के ड्रम।

● मौके से फरार हुए पांच अभियुक्तों, दबिश दे रही पुलिस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मथुरा। थाना छाता पुलिस द्वारा चोरी का 80 क्विंटल बिटमिन (डांवर) (कुल 80 ड्रम) बरामद किये हैं। थाना छाता पुलिस टीम द्वारा चोरी किया हुआ कुल 80 किवंटल बिटमिन(डांवर) कुल 80 ड्रम बरामद किये गया तथा मौके से पांच अभियुक्त फरार हो गये। जिनके विरुद्ध थाना छाता पर धारा 35, 106 बीएनएसएस व धारा 303(2)ख् 317(5) बीएनएस के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया है। अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित कर विधिक प्रयास किया जा रहा है। मौके से फरार अभियुक्त द्वारा मिलकर रिफाइनरी कम्पनी से निकलने वाले बिटमिन (डांवर) के लोहे के ड्रम लेकर आने वाले ट्रकों से प्लानिंग करके ट्रको से बिटमिन (डांवर) के ड्रम चोरी करके वैकमेट कंपनी के पूर्वी साइड खाली प्लॉट में एकत्र कर रखे है । पुलिस टीम को आते देखकर फैक्ट्री की दीवार से कूदकर अभियुक्त मौके से फरार हो गये व मौके से कुल 80 ड्रम लोहा बिटमिन (डांवर) कुल वजन लगभग 80 क्विंटल को बरामद किया गया। कार्यवाही करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक कमलेश सिंह थाना छाता, एसआई रविन्द्र बाबू, एसआई हरेन्द्र सिंह, एसआई हुकम सिंह थाना छाता आदि थे।

बाइक सवार बिजली के खंभे से टकराया इलाज के दौरान मौत

सिद्धार्थनगर। जिले के कपिलवस्तु कोतवाली क्षेत्र के अलीगढ़वा- ककरहवा मार्ग पर अलीगढ़वा कस्बे से कुछ दूरी पर मंगलवार शाम बाइक सवार बिजली के खंभे से टकराया गया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसकी इलाज के दौरान मंगलवार की रात मौत हो गई। मृतक ग्राम पिपरहवा निवासी उस्मान (26) पुत्र शहाबुद्दीन अपनी मोटरसाइकिल से घर लौट रहा था, इसी दौरान सड़क के बीच में लगे बिजली के खंभे से उसकी बाइक टकरा गई। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल उस्मान की इलाज के दौरान मंगलवार की रात मौत हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि उस्मान गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों की मदद से उसे तत्काल अलीगढ़वा के एक निजी अस्पताल पहुंचाया गया। वहां उसकी गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे सिद्धार्थनगर माधव प्रसाद मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।स्वजन उसे सिद्धार्थनगर के एक निजी अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान मंगलवार की रात मौत हो गई।

बंगाल में राहत कार्यों में जुटे भाजपा सांसद-विधायक पर हमला, दो गिरफ्तार, TMC पर लगे आरोप

● अधिकारियों के अनुसार, एक व्यक्ति को नागराकाटा से और दूसरे को जयगांव से गिरफ्तार किया गया।

ये गिरफ़्तारियाँ सोमवार को जलपाईगुड़ी के नागराकाटा इलाके में भाजपा सांसद खगेन मुर्मू और सिलीगुड़ी विधायक शंकर घोष पर हुए पथराव के बाद हुई हैं।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उत्तर बंगाल में भाजपा सांसद खगेन मुर्मू और विधायक शंकर घोष पर हुए हमले के सिलसिले में बंगाल पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। भाजपा नेताओं पर हमले के मामले में स्थानीय पुलिस द्वारा की गई यह पहली गिरफ्तारी है। अधिकारियों के अनुसार, एक व्यक्ति को नागराकाटा से और दूसरे को जयगांव से गिरफ्तार किया गया। ये गिरफ़्तारियाँ सोमवार को जलपाईगुड़ी के नागराकाटा इलाके में भाजपा सांसद खगेन मुर्मू और सिलीगुड़ी विधायक शंकर घोष पर हुए पथराव के बाद हुई हैं। दोनों नेता बाढ़ प्रभावित समुदायों की मदद कर रहे थे, तभी उन्हें निशाना बनाया गया। भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि यह हमला तृणमूल कांग्रेस के सदस्यों द्वारा कराया गया था।

भाजपा प्रवक्ता अमित मालवीय ने एक्स पर पोस्ट किया बंगाल में टीएमसी का जंगल राज! भाजपा सांसद खगेन मुर्मू, एक सम्मानित आदिवासी नेता और उत्तरी मालदा से दो बार सांसद रहे, पर राहत और बचाव कार्यों में मदद करने के लिए जाते समय टीएमसी के गुंडों ने हमला किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमले की निंदा करते हुए इसे "बेहद भयावह" बताया और पश्चिम बंगाल की दयनीय कानून-व्यवस्था का प्रतिबिंब बताया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में बाढ़ और भूस्खलन से प्रभावित लोगों की सेवा करने वाले हमारे पार्टी सहयोगियों, जिनमें एक वर्तमान सांसद और विधायक भी शामिल हैं, पर जिस तरह से हमला किया गया, वह टीएमसी की असंवेदनशीलता और राज्य की बेहद दयनीय कानून-व्यवस्था को दर्शाता है। उन्होंने पश्चिम बंगाल सरकार से हिंसा में लिप्त होने के बजाय राहत कार्यों पर ध्यान केंद्रित करने का भी आग्रह किया।

मिशन शक्ति 5.0 की अनूठी पहल

● छात्रा लवली को मिला एक दिन के लिए जिलाधिकारी का दायित्व

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मथुरा। मिशन शक्ति अभियान 5.0 के अंतर्गत छात्रा लवली को मिला एक दिन के लिए जिलाधिकारी का दायित्व। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने किया लवली का स्वागत तथा दिया जिलाधिकारी मथुरा का पदभार। राजकीय हाई स्कूल लोहवन की कक्षा 10 की छात्रा लवली ने किया दिव्यांगजन प्रमाण पत्र बनाने का आदेश। महिलाओं के अधिकारों पर दिखाई जागरूकता की मिसाल। छात्रा लवली ने जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह के साथ की जनसुनवाई। एक दिन की जिलाधिकारी बनी लवली ने सुनी लोगों की समस्याएं, दिए त्वरित निस्तारण के निर्देश। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह के नेतृत्व में जनपद में आयोजित हो रहे विभिन्न मिशन शक्ति अभियान 5.0 के कार्यक्रम। मेधावी छात्राओं ने एक दिन के लिए संभाले जनपद के विभिन्न महत्वपूर्ण पद। चौकी प्रभारी, थाना प्रभारी, क्षेत्राधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, खंड शिक्षा अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, खंड विकास अधिकारी, चिकित्सा अधीक्षक, जिला प्रोबेशन अधिकारी, जिलाधिकारी आदि महत्वपूर्ण पदों पर एक दिन के लिए छात्राओं को बनाया गया अधिकारी। उक्त पहल से छात्राओं में बढ़ रही जागरूकता। लवली ने एक दिन के लिए कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी की भूमिका निभाई और जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह के साथ बैठकर जनसुनवाई की। इस दौरान उन्होंने प्रशासनिक जिम्मेदारियों को बखूबी निभाते हुए अपनी समझदारी और संवेदनशीलता से सबका दिल जीत लिया।

कलेक्ट्रेट स्थित जिलाधिकारी कार्यालय में जिलाधिकारी की कुर्सी पर बैठी लवली ने जनसुनवाई के दौरान कठमालिया थोक छाता तहसील निवासी मुकेश कुमार सिंह के प्रार्थना पत्र पर कार्रवाई करते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी को दिव्यांग प्रमाण पत्र शीघ्र जारी करने के निर्देश दिए, जिससे दिव्यांगजन सरकार द्वारा प्रदत्त विभिन्न योजनाओं का लाभ ले सके। उनके इस निर्णय से उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों ने उनकी प्रशंसा की। एक दिन

एक दिन की डीएम के रूप में जिलाधिकारी कार्यालय में डीएम की कुर्सी पर बैठी छात्रा लवली।

की जिलाधिकारी लवली ने इस अवसर पर मीडिया के समक्ष महिलाओं और बालिकाओं के अधिकारों को लेकर भी सभी को जागरूक किया। उन्होंने कहा कि हर लड़की को अपने अधिकारों की जानकारी होनी चाहिए। वर्तमान दौर में गुड टच और बैड टच की पहचान तो सभी को होती है। उन्होंने छात्राओं को सलाह दी कि किसी भी परेशानी या अनुचित व्यवहार को माता-पिता, विशेषकर अपनी मां से साझा करने में हिचकिचाना नहीं होनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि इंटरनेट का उपयोग शिक्षा संबंधी कार्यों के लिए किया जाना चाहिए, जिससे यह उनके भविष्य को संवारने का माध्यम बने, न कि परेशानी का कारण।

वृंदावन में हुआ अध्यात्म के दो सितारों का मिलन

● प्रेमानंद महाराज ने गले लगाकर किया गुरु शरणानंद जी का स्वागत

गुरु शरणानंद महाराज से मिलने पर भावुक हुए प्रेमानंद महाराज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

वृंदावन में प्रसिद्ध संत कार्षिणी गुरु शरणानंद बुधवार को संत प्रेमानंद महाराज से मुलाकात करते हुए।

वृंदावन। बुधवार को ब्रजभूमि के दो प्रमुख संतों का अद्भुत संगम देखने को मिला। प्रसिद्ध संत कार्षिणी गुरु शरणानंद बुधवार को संत प्रेमानंद महाराज से मिलने वृंदावन स्थित केली कुंज आश्रम पहुंचे। संत प्रेमानंद महाराज ने जैसे ही अपने प्रिय गुरु स्वरूप शरणानंद महाराज को देखा, वे अपनी गद्दी छोड़कर कुटिया के द्वार तक पहुंचे और दंडवत प्रणाम किया। भावविह्वल प्रेमानंद महाराज की आंखों से अश्रुधारा बह निकली। गुरु शरणानंद महाराज ने उन्हें गले लगाकर आशीर्वाद दिया। प्रेमानंद महाराज ने उन्हें अपने आसन पर बिठाया और स्वयं नीचे बैठ गए। उन्होंने मंत्रोच्चारण के बीच शरणानंद महाराज के चरण पखारे और चरणों को अपने मस्तक से लगाया। इस दौरान आश्रम का वातावरण भावनाओं और भक्ति से सराबोर हो गया। शरणानंद महाराज ने भोग में केवल तुलसी पत्र मांगा। इसी बीच, प्रेमानंद महाराज के स्वास्थ्य को लेकर फैल रही अफवाहों पर मथुरा पुलिस ने एडवाइजरी जारी कर कहा जाहै कि कोई भी व्यक्ति या समूह भ्रांतियां फैलाएगा तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

टेम्पो ट्रेक्स, विद्युत पोल से टकराई, चालक की मौत, दर्जन से ज्यादा घायल

● हादसे के बाद हाईवे पर लगा जाम, पुलिस ने कडी मशक्कत के बाद खुलवाया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

फरह। सिलीगुड़ी (पश्चिम बंगाल) निवासी यात्री आगरा,मथुरा, लखनऊ सहित अन्य जगह घूमने आए थे, मंगलवार को आगरा से बरसाना ट्रैवल बस, टेम्पो ट्रेक्स से मथुरा जा रही बस फतिहा फ्लाईओवर पर डिवाइडर से टकराकर पलट गई। यात्री घायल हो गए। घटना में चालक की मौत हो गई। बस में सवार यात्री मथुरा जा रहे थे। सिलीगुड़ी(पश्चिम बंगाल) से 27 लोग अलग अलग जगह से ब्रज में घूमने आए थे। वे सभी आगरा का ताजमहल देखकर राधारानी मंदिर बरसाना जा रहे थे। पर्यटकों से भरी बस अभी फरह के फतिहा फ्लाईओवर पर पहुंची थी। तभी बस का संतुलन बिगड़ गया और बस विद्युत पोल से टकरा गई। इसके बाद डिवाइडर से टकराकर हाइवे पर पलट गई। दुर्घटना इतनी तीव्र थी कि चालक सतीश कुमार पुत्र पन्ना लाल निवासी किशोरपुरा वृंदावन की मौके पर ही मौत हो गई। बस में बैठी 27 सवारियां घायल हो गईं।

हादसे के बाद हस्पताल में उपचाराधीन घायल।

घायलों को फराह के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर दाखिल कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। कुछ को गंभीर हालत में जिला अस्पताल और कुछ मरीजों को मथुरा जिला अस्पताल रेफर किया गया है। घटना की सूचना मिलने पर उप जिला अधिकारी सदर अभिनव जे जैन पहुंच गए और घायलों से मुलाकात कर मदद का भरोसा दिया।

पंडित दीन दयाला सामुदायिक हॉस्पिटल के केंद्र अधीक्षक डॉ रामबीर को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। घटना में सुरक्षित बची युवती उन्नना बुन ने बताया कि हम सब सो रहे थे। तेज धमाका हुआ, तबतक सब पीड़ा से कराह रहे थे। केंद्र अधीक्षक डॉ रामबीर सिंह ने बताया कि मानसी पात्रा, पोटिमा धनपति, अनन्या सस्मल, स्वप्न कुमार घोर, हारा ससमल, देवजानी सरकार,मालती मंडल, अशोक कुमार मंडल, मधु माझे, अनुबा सेन, रिक्ता मैती, तापसी मैती, गोबिंद मैती, दशरथ, माधवी माझी, मालती, अनन्या घोरुई, अनुपा ससमल, मधु मंगल, भारत, सेनापति, चंदना पंडित आदि घायल ओर शोमन पात्रा,गीता रानी, मिनोति जान, उज्जवल चक्रवर्ती, पदौराणी मांझी नाम के यात्री गंभीर घायल हुए हैं। उन्हें रेफर किया गया है।

हाइवे पर लगा जाम

दुर्घटना के बाद बस पलटने से हाइवे पर जाम लग गया। मौके पर थाना प्रभारी निरीक्षक त्रिलोकी सिंह पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंच गए। घायलों को अस्पताल पहुंचाने के बाद लंबे जाम को खुलवाया और यातायात को सुचारू किया।

2490.38 लाख की लागत से बन रही सडक का महापौर ने किया शुभारम्भ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मथुरा। महापौर वनोद अग्रवाल ने अर्बन रोड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट एजेंसी के माध्यम से संचालित मुख्यमंत्री ग्रीन रोड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट स्कीम के अंतर्गत नगर निगम मथुरा-वृंदावन की सीमा में लगभग 2490.38 लाख की लागत से बनने वाली सड़क के विकास एवं सौंदर्यीकरण कार्य का शुभारंभ नारियल फोड़कर एवं विधिवत पूजन कर किया गया। यह सड़क वृंदावन प्रेम मंदिर तिराहे से विद्यापीठ चौराहे तक विकसित की जा रही है। सड़क के विकास एवं सौंदर्यीकरण कार्य के अंतर्गत किये गये हैं।

विद्युत तारों को अंडरग्राउंड किया जाएगा। दोनों ओर श्रद्धालुओं राहगीरो हेतु फुटपाथ का निर्माण किया जाएगा। सड़क की सतह का समतलीकरण एवं उच्च गुणवत्ता वाले निर्माण कार्य किए जाएंगे। रेन वॉटर हार्वेस्टिंग हेतु ह्यूम पाइप डक्ट प्रणाली भी विकसित की जाएगी। इस अवसर पर

महापौर वनोद अग्रवाल सडक का उद्घाटन करते हुए।

माननीय महापौर श्री विनोद अग्रवाल जी ने कहा किकृ "वृंदावन एक अंतरराष्ट्रीय धार्मिक नगरी है, जहां प्रतिदिन लाखों की संख्या में श्रद्धालु एवं पर्यटक दर्शनार्थ आते हैं। ऐसे में उनकी सुविधा, सुगम यातायात एवं नगर की सुंदरता को ध्यान में रखते हुए इस सड़क के विकास कार्य का शुभारंभ किया गया है। यह सड़क न केवल आवागमन को सुगम बनाएगी, बल्कि नगर की छवि को भी नई दिशा देगी।

हमारा संकल्प है कि मथुरा-वृंदावन को स्वच्छ, सुंदर और आधुनिक नगरी के रूप में विकसित किया जाए। इस अवसर पर क्षेत्रीय जनप्रतिनिधिगण एवं विभागीय अधिकारीगण भी उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से भाजपा महानगर अध्यक्ष राजू यादव, भाजपा नगर अध्यक्ष जितेंद्र वार्ष्णेय, माननीय उपसभापति मुकेश सारस्वत, महापौर प्रतिनिधि अंकुर अग्रवाल, वृंदावन के माननीय पार्षदगण, अपर नगर आयुक्त चंद्र प्रकाश पाठक, मुख्य अभियंता (निर्माण) संजय सिंह, अधिशासी अभियंता (निर्माण) अमरेंद्र गौतम, तथा अवर अभियंता अरुण कुमार, अवर अभियंता कुमर आशीष आदि उपस्थित रहे।

कनाडा में लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने फिर बरसाई गोली, दी खुली धमकी- 'यही होगा अंजाम'

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कुख्यात लॉरेंस बिश्नोई गिरोह ने कनाडा में गोलीबारी की एक और घटना को अंजाम दिया है। इस बार, हमले में सरे स्थित एक रेस्टोरेंट मालिक के कई प्रतिष्ठान शामिल थे। लॉरेंस गिरोह के एक सदस्य गोल्डी ढिल्लन ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में गोलीबारी की ज़िम्मेदारी ली है। गिरोह ने रेस्टोरेंट मालिक पर अपने कर्मचारियों के साथ दुर्व्यवहार करने और उन्हें वेतन न देने का आरोप लगाया है। गिरोह ने चेतावनी दी है, जो कोई भी ऐसा करेगा, उसे यहाँ भी यही अंजाम भुगतना होगा।

दो दिन पहले ही, लॉरेंस गिरोह ने कनाडा में अपने प्रतिद्वंद्वी नवी तासी से जुड़े तीन ठिकानों उनके घर, दफ़्तर और परिसर पर कथित तौर पर गोलीबारी की थी। इन गोलीबारी के वीडियो सोशल मीडिया पर भी सामने आए थे। गिरोह ने आगे आरोप लगाया कि नवी तासी ने लॉरेंस के नाम का इस्तेमाल करके लोगों से 50 लाख रुपये (करीब

गोल्डी ढिल्लन ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में गोलीबारी की ज़िम्मेदारी ली है। गिरोह ने रेस्टोरेंट मालिक पर अपने कर्मचारियों के साथ दुर्व्यवहार करने और उन्हें वेतन न देने का आरोप लगाया है। गिरोह ने चेतावनी दी है, जो कोई भी ऐसा करेगा, उसे यहाँ भी यही अंजाम भुगतना होगा।

80,000 कनाडाई डॉलर) की जबरन वसूली की थी। पोस्ट में लिखा था, मैं फ़तेह पुर्तगाल बोल रहा हूँ। अब हम नवी तासी से जुड़े ठिकानों पर गोलीबारी की ज़िम्मेदारी ले रहे हैं। ये सभी जगहें नवी तासी की हैं, और पिछले तीन दिनों से हम इन जगहों पर गोलीबारी कर रहे हैं। नवी तासी ने लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के नाम पर गायकों से जबरन 50 लाख रुपये वसूले हैं। इसलिए हम उसके पीछे पड़े हैं।

कनाडा के जन सुरक्षा मंत्री गैरी आनंदसांगरी ने 29 सितंबर को घोषणा की कि बिश्नोई गिरोह को कनाडा में हत्या, गोलीबारी और आगजनी सहित हिंसक

अपराधों में संलिप्तता के कारण आतंकवादी संगठन घोषित किया गया है। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया अब सूचीबद्ध इकाई के रूप में, बिश्नोई गिरोह कनाडा की आपराधिक संहिता के तहत आतंकवादी समूह की परिभाषा को पूरा करता है। आतंकवादी सूची में शामिल होने का अर्थ है कि कनाडा में उस समूह के स्वामित्व वाली कोई भी चीज़, जैसे संपत्ति, वाहन, धन, ज़ब्त या ज़ब्त किया जा सकता है और इससे कनाडा के कानून प्रवर्तन को वित्तपोषण, यात्रा और भर्ती से संबंधित आतंकवादी अपराधों पर मुकदमा चलाने के लिए और अधिक साधन मिलेंगे।